हरिभूमि
रायपुर भूमि

चंदनीडीह मार्ग पर ट्रैफिक हुआ स्लो

तीन दिन की बारिश के बाद निखरा खारून का सौंदर्य
सेल्फी लेने बढ़ रही भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

तीन दिन की झड़ी के बाद खारुन नदी का जल स्तर बढ़ा है, लेकिन अभी उस स्तर तक नहीं बढ़ा है, जितना लोग उम्मीद कर रहे थे। तीन दिन की बारिश से लोगों को महादेव घाट के लबालब होने की उम्मीद थी। इसी उम्मीद के साथ महादेव घाट में लोग खासकर युवा वर्ग सेल्फी लेने तथा नदी में जल भराव देखने का ⏭ शेष पेज 13 पर

बच्चों के साथ जोखिम भरा सेल्फी

महादेव घाट में कई ऐसे मिले, जो अपने बच्चों का हाथ पकड़ कर उन्हें घाट में बनी सीढ़ी में उतार कर सेल्फी ले रहे थे। ऐसे ही एक फोटो में महज सात से आठ माह के बच्चे को उसके पिता ने नदी के घाट किनारे सीढ़ी पर उतार दिया। इसके बाद मां अपने बेटे की मोबाइल में सेल्फी लेने लगी। मौके पर हरिभूमि की टीम ने इस पल को अपने कैमरे में कैद किया, तब बच्चे की मां तथा उसका पिता चेहरा छिपाते दिखे।

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज
ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.c. NURSING
&
M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो. 83193 47482
81030 45003
Website : ssscn.ac.in

खबर संक्षेप

दो मामलों में 10 वाहन जब्त, चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। दोपहिया वाहन चोरी के दो अलग-अलग प्रकरण में पुलिस ने 10 दोपहिया वाहन जब्त कर एक नाबालिग सहित चार शातिरों को गिरफ्तार किया है। उरला पुलिस ने शातिर बाइक चोर aअभय दुबे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पांच तथा अभनपुर थाने की पुलिस ने आकाश लहरी, संदीप कुमार सिंह तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। पुलिस ने दोनों प्रकरणों में मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

बदमाशों ने कारोबारी की गाड़ी में की तोड़फोड़

रायपुर। कंस्ट्रक्शन कारोबार से जुड़े एक कारोबारी की एक्टिवा में अज्ञात तीन बदमाशों ने रविवार रात 7.30 बजे अकारण तोड़फोड़ की। प्रवीण शर्मा की शिकायत पर पुलिस अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। कारोबारी ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को वह अपने दोस्त के साथ अपनी एक्टिवा से तेलीबांधा मरीन ड्राइव से कटोरा तालाब तरफ जा रहे थे, नूरजहां होटल के सामने पहुंचे थे, उसी समय सामने से बाइक सवार तीन लड़के आए और बेवजह गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लड़कों ने अपने अन्य दोस्तों को बुलाकर प्रवीण के साथ मारपीट कर उसकी गाड़ी में तोड़फोड़ की और मौके से फरार हो गए।

फर्जी कस्टमर केयर से 2.17 लाख की ठगी

रायपुर। फर्जी कस्टमर केयर से ऑनलाइन रेलवे टिकट बुक करने पर एक युवक के साथ 2.17 लाख की ठगी हो गई। राकेश कुमार शुक्ल ने मुजगहन थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि वो 3 जुलाई को गूगल से रेलवे कस्टमर केयर का नंबर सर्च कर ऑनलाइन टिकट बुक किया। जालसाज ने उसे अपनी बातों में उलझाकर बैंक के साथ यूपीआई डिटेल की जानकारी हासिल कर अकाउंट से रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा लिया।

भाजपा पार्षद स्वप्निल मिश्रा ने अधिकारियों को कहा चोर, सभापति ने टोका- शब्दों का चयन सही कर

सामान्य सभा में फूटा पार्षदों का गुस्सा, लचर सफाई जलभराव और अवैध निर्माण पर दिखा आक्रोश

महापौर ने अफसरों पर साधा निशाना- पार्षदों के जमीनी संघर्ष को हल्के में न लें, पार्षदों ने लचर सफाई, जलभराव, अवैध प्लाटिंग पर जमकर घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में सफाई, जलभराव और अवैध निर्माण को लेकर वार्ड पार्षदों का गुस्सा फूटकर बाहर निकला। वहीं ज्यादातर पार्षदों की नाराजगी इस बात को लेकर रही कि छोटे-छोटे कार्य जो पहले जोन स्तर पर आसानी से हुआ करते थे, अब जोन कमिश्नरों के वित्तीय पावर कम करने से मुख्यालय से होने लगे हैं। यही हाल रहा तो जोन दफ्तरों का कोई औचित्य नहीं रहेगा। भाजपा पार्षद स्वप्निल मिश्रा ने अधिकारियों को चोर कहा। सदन में उन्होंने कहा कि जोन अधिकारी न तो काम कर रहे हैं, ना सहयोग कर रहे हैं। इस पर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने उन्हें टोकते हुए कहा कि आपका मुद्दा ठीक है, पर शब्दों का सही चयन करें। विशेष सामान्य सभा की बैठक में निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी अखबार के कतरनों की लाइफ जैकेट पहनकर

पहुंचे। सोमवार को जिस विशेष सामान्य सभा हो रही थी उस दौरान सभाकक्ष में छत से पानी बूंद-बूंद कर टपकता रहा। इससे कुछ पार्षदों को उठकर अन्यत्र जाना पड़ा। वहीं निगम कर्मचारियों ने सोफे पर पालिथीन पैक, डस्टबिन को रखकर पानी के फैलाव को रोकने का प्रयास किया। इसे लेकर पक्ष-विपक्ष के पार्षदों ने टिप्पणी भी की। सोमवार को महात्मा गांधी सदन में नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में पेयजल की समस्या, जलभराव, अवैध प्लाटिंग जैसे ज्वलंत विषयों को लेकर ⏭ शेष पेज 13 पर

महापौर ने 6 बिंदुओं पर आयुक्त से मांगी जानकारी

विशेष सामान्य सभा के दौरान सभी वार्ड पार्षदों से सफाई, जलभराव, अवैध निर्माण , अतिक्रमण की समस्या और उनके समाधान संबंधी सुझाव मिलने के बाद महापौर मीनल चौबे ने निगम आयुक्त संबित मिश्रा से पार्षदों की बातों को गंभीरता से सुनने और जोनों के वित्तीय पावर को कम करने के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने सहित 6 बिंदुओं पर लिखित में जानकारी मांगी है। इनमें प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति पहले की पुनः जोन को सौंपने की प्रक्रिया पर क्या प्लान है, पेयजल समस्या टैंकर प्रबंधन जलभराव पर एक विस्तृत कार्य योजना क्या है? अवैध निर्माण में तीन नोटिस के बाद कितने प्रकरणों में कार्रवाई की गई। इसी तरह जोनों के अधिकारी कब - कब जोन में रहते हैं इसकी समय बद्ध जानकारी जारी की जाए। जोनों से भेजी गई फाइलें निगम मुख्यालय में क्यों अटक रही है? महापौर मीनल चौबे ने कहा कि वार्ड पार्षदों को छोटे-छोटे कार्य कराने पहले जोन से 4 लाख तक के कार्य की स्वीकृति आसानी से होती थी। चूंकि जोन कमिश्नरों को इसका वित्तीय अधिकार था पर नए ⏭ शेष पेज 13 पर

अखबारों की कतरन दिखाते नेता प्रतिपक्ष आकाश शर्मा

इन्होंने ये कहा

ममता सोनू तिवारी- पार्षद भक्त कर्मा माता वार्ड

भाठगांव के बीएसयूपी आवासीय परिसर में जलभराव की समस्या से लोग परेशान हैं। इसके निदान के लिए जोन और निगम मुख्यालय को हमने पत्र लिखकर अवगत कराया, कब तक इस पर काम शुरू होगा। 1 साल से वार्ड में स्ट्रीट लाइट की समस्या बनी हुई है, शिकायत करने के बाद भी नई स्ट्रीट लाइट उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। अंधेरे के चलते नशाखोरी से वार्ड के रहवासी अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। नाली व पुलिया की स्थिति जर्जर है इसे लेकर जोन कमिश्नरी और निगम मुख्यालय को भी पत्र लिखा गया पर काम नहीं हो रहा है।

जयश्री नायक, पार्षद महामाया मंदिर वार्ड

प्रोफेसर कालोनी, मारुतिविहार और शिवाजी नगर में पेयजल की समसया से लोग त्रस्त हैं। इसके निराकरण जोन से प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है, पर समस्या का समाधान नहीं हुआ। पानी टैंकर भेजकर इन कालोनियों में लोगों की प्यास बुझाई जा रही है। मेरे वार्ड में 4 से 6 नाला है जिसकी समय पर सफाई नहीं होने से परशुराम नगर, शिवाजी कालोनी, प्रोफेसर कालोनी में जलभराव की समस्या बनी हुई है। सदन में जलभराव का फोटोग्राफ सबूत बतौर लेकर आई हूं। इसी तरह महराजबंद तालाब बदहाली का शिकार है नगर निगम द्वारा इसकी सफाई नहीं कराने से बदबू और गंदगी के चलते बहुत परेशानी हो रही है। इसकी तत्काल सफाई कराई जाए। एसटीपी अब तक शुरू नहीं हुआ है। ⏭ शेष पेज 13 पर

छोटे भाई की संदिग्ध मौत का रहस्य बताने बाबा ने ठग लिए 35 लाख

ग्रेटर नोएडा के डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया अपराध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेप के आरोप में जेल में बंद महासमुंद के बाबा ने ग्रेटर नोएडा के एक डॉक्टर को उनके छोटे भाई की मौत का रहस्य बताने तथा वापस लाने का झांसा देकर 35 लाख रुपए ठग लिए। कथित बाबा ने तांत्रिक विद्या से डॉक्टर के भाई को वापस लाने का दावा किया था। घटना 2024 की है। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र की है।

ग्रेटर नोएडा निवासी डॉ. ऋषभ चौबे की शिकायत पर पुलिस ने आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। कथित बाबा ने तंत्र-मंत्र, प्रेतबाधा और विशेष अनुष्ठान का भय दिखाकर उनसे करीब 35 लाख रुपए की ठगी की। इसमें 10 लाख रुपए कैश, हवाई यात्रा, होटल और पूजा-पाठ के नाम

एआई फोटो

पर खर्च कराए गए, जबकि 25.10 लाख रुपए की एक्सयूवी-700 भी अपने लिए खरीदवा ली। डॉक्टर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके छोटे भाई दिव्यदेव चौबे की 11 अगस्त 2024 को इंदौर में कार के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया। परिवार लगातार ⏭ शेष पेज 13 पर

प्रेतबाधा और कारोबार खत्म करने का दिखाया डर

शिकायत में कहा गया है कि बाबा लगातार यह कहता रहा कि परिवार पर प्रेतबाधा है, छोटे भाई की आत्मा भटक रही है और जुलाई 2025 से पहले पूजा नहीं हुई तो बड़ा अनिष्ट हो जाएगा। उसने यह भी कहा कि बिजनेस पार्टनर ने तीन करोड़ रुपए हड़प लिए हैं और कारोबार जल्द खत्म हो जाएगा। डाक्टर का आरोप है कि इन बातों के कारण उनके व्यावसायिक संबंध बिगड़ गए और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा।

घटनास्थल की मिट्टी देख मौत का रहस्य बताने का दावा

बाबा ने दावा किया था कि वह चावल और घटनास्थल की मिट्टी देखकर मौत का पूरा रहस्य बता देगा। इसके लिए उसने पहली ही मुलाकात में डॉक्टर से 51 हजार रुपए ले लिया और इंदौर से घटनास्थल की मिट्टी मंगवाई। शिकायत के अनुसार मिट्टी लेने के बाद बाबा लगातार नई-नई तारीखें देता रहा। कभी रायपुर, कभी नोएडा, कभी इंदौर तो कभी जयपुर और वृंदावन बुलाता रहा।

विशेष पूजा करने का झांसा

कथित तांत्रिक बाबा डॉक्टर को बार-बार कहता था कि विशेष पूजा के बाद ही भाई की मौत का राज सामने आएगा। डाक्टर का आरोप है कि बाबा ने लगभग 30 से अधिक हवाई यात्राएं, होटल और वाहन की व्यवस्था भी उन्हीं के खर्च पर कराई। इस दौरान करीब 10 लाख रुपए खर्च हुए। हर मुलाकात में पूजा और अनुष्ठान के नाम पर 51-51 हजार रुपए अलग से लिए जाते रहे।

पुरानी रंजिश के चलते ब्लेड और चाकू से हमला

रायपुर। अपने दोस्तों के साथ शराब पीने बैठे युवक पर आपसी रंजिश के कारण तीन बदमाशों ने उसके साथ मारपीट कर ब्लेड के साथ चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

शिवा बघेल ने शुभम यादव, गोलू रगड़े तथा अंगद रगड़े उर्फ खादिम के खिलाफ आजाद चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ रविवार को जय मां काली चौक के पास शराब पी रहा था। इस दौरान तीनों लड़के उसके पास पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद करते हुए उसके साथ मारपीट की। इस दौरान लड़कों ने शिवा पर चाकू तथा ब्लेड से वार कर घायल कर दिया।

HCC Hearing Care Center IS NOW हिअरज़ॅप
49 YEARS OF TRUST
180+ EXPERIENCE CENTRES PAN INDIA
निःशुल्क बहरापन जांच एवं परामर्श शिविर
दिनांक: 7 जुलाई से 11 जुलाई
समय: मंगलवार से शनिवार
(प्रातः 11:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक)

Khanna
▶ श्रवण यंत्र पर भारी छूट
▶ कोक्लियर इम्प्लांट (परामर्श)
▶ स्पीच थेरेपी
PHILIPS Authorized dealer
8319 603 298 9659 455 455
Exclusive Brands PHILIPS
Google Rating
शंकर नगर: प्रथम तल, एस. आर. प्लाजा सेक्टर-3, आरोग्य हॉस्पिटल के पास, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ (492004)
कचहरी चौक: शॉप नंबर- 14, कृष्णा काम्प्लेक्स, जिला एवं सत्र न्यायालय के सामने, कचहरी चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ (492001)
फव्वारा चौक: विमला सदन, छत्तीसगढ़ कॉलेज के पास, फव्वारा चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ (492007)
Google Play App Store
छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र | कर्नाटक | केरळ | तामिळनाडू | आंध्र प्रदेश | तेलंगाणा | पश्चिम बंगाल | बिहार | झारखंड

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

अब एटीएम सेंटर से निकलेगा पीडीएस चावल, हितग्राहियों को कार्ड का आईडी नंबर डालकर लगाना होगा फिंगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत अब तक उचित मूल्य की दुकानों से ही हितग्राहियों को पीडीएस चावल का वितरण किया जाता है, लेकिन अब हितग्राहियों को सुविधा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में ग्रेन एटीएम सेंटर खोलने का निर्णय लिया है।

इस एटीएम से रुपयों की जगह पीडीएस चावल निकलेगा। यह ग्रेन एटीएम भी बैंकों के एटीएम सेंटरों की तरह 24 घंटे खुले रहेंगे, जिससे हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय एटीएम सेंटर में जाकर चावल निकाल पाएगा। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि एटीएम सेंटर के खुलने से उचित मूल्य की दुकानों में लगने वाली भीड़ कम होगी, जिससे हितग्राहियों के समय की बचत के साथ लाइन में लगना भी नहीं पड़ेगा।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत कार्डधारकों को सुविधा देने लाई गई ग्रेन एटीएम की सुविधा

पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर, दुर्ग-बिलासपुर में एक-एक एटीएम सेंटर खुलेंगे

खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार ग्रेन एटीएम सेंटर की सुविधा पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लाया गया है। इसके लिए रायपुर, दुर्ग एवं बिलासपुर को चुना है, जहां एक-एक ग्रेन टीएम सेंटर खोलने की तैयारी की जा रही है। रायपुर में ग्रेन एटीएम सेंटर खोलने के लिए स्थान भी चिन्हांकित कर लिया है। रावांभाठा क्षेत्र में आरटीओ दफ्तर के पीछे इलाके में एक सरकारी भवन में एटीएम सेंटर खोला जाएगा। इस भवन का खाद्य विभाग एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी निरीक्षण भी कर चुके है। जल्द ही इसे ग्रेन एटीएम सेंटर का रूप दिया जाएगा। इसे सफलता मिलने के बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू किया जाएगा, जिसके बाद हर शहर में धीरे-धीरे एटीएम सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

24 घंटे खुला रहेगा सेंटर सुरक्षा गार्ड भी रहेगा तैनात

ग्रेन एटीएम सेंटर भी बैंकों के एटीएम की तरह 24 घंटे खुला रहेगा। हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय इस सेंटर में जाकर चावल निकाल सकता है। इस प्रक्रिया में महज 30 से 50 सेकंड ही लगेंगे।

आईडी नंबर डालने के बाद फिंगर करना होगा स्कैन

उचित मूल्य की दुकान में ईपॉस मशीन में जिस तरह से खाद्यान्न लेने के लिए हितग्राही को प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, लगभग वहीं प्रक्रिया एटीएम सेंटर में पीडीएस चावल निकालने के दौरान पूरी करनी होगी। दोनों अंतर यह है कि एटीएम सेंटर में हितग्राही स्वयं से अन्नपूर्णा मशीन में पहले राशन कार्ड की आईडी डालेगा और फिर फिंगर स्कैन करेगा। इसके साथ ही कार्ड के सदस्यों की संख्या के अनुसार चावल मशीन से निकलेगा, जिसे हितग्राही थैले या बोरे में ले सकेंगे।

कई राज्यों में किया जा रहा प्रयोग

ग्रेन एटीएम सेंटर का प्रयोग ओड़िशा, बिहार, राजस्थान तथा हरियाणा जैसे राज्यों में किया जा चुका है। इन राज्यों में कहीं-कहीं पीडीएस वितरण एटीएम सेंटर खुले हुए है। छत्तीसगढ़ में भी अब इसका ट्रॉयल होने जा रहा है।

ट्रायल के रूप में खोलने की तैयारी

ट्रॉयल के रूप में पहला ग्रेन एटीएम सेंटर खोलने की तैयारी की जा रही है। स्थान का चयन कर लिया है। जल्द ही अन्नपूर्णा मशीन सहित पूरा सेटअप स्थापित कर एटीएम सेंटर खोला जाएगा।

- **भूपेंद्र मिश्रा**, खाद्य नियंत्रक रायपुर

खबर संक्षेप

भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद

रायपुर। एकात्म परिसर में भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन कर उनको याद किया। जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. मुखर्जी जी को जयंती में याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सम्मेलन में मुख्य रूप से रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन, संभाग सहप्रभारी डॉ. राजीव सिंह एवं रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता शिवरतन शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से कार्यकर्ताओं को जानकारी दी।

भारी वर्षा की संभावना पर स्कूलों में अवकाश घोषित करे प्रशासन

रायपुर। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने कहा, कल मौसम विभाग द्वारा रायपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भारी वर्षा की पूर्व चेतावनी जारी की गई थी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से सरकारी अलर्ट एसएमएस भी भेजा गया। इसके बावजूद रायपुर सहित अन्य जिलों में विद्यालय खुले रहे। भारी बारिश और जलभराव के बीच कई छोटे-छोटे बच्चे भीगते हुए स्कूल पहुंचे, जबकि अभिभावकों और स्कूल वाहनों को भी आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

कुम्हारी टोल प्लाज़ा बंद होने का दावा झूठा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वन्दना राजपूत ने कुम्हारी टोल प्लाजा में अवैध वसूली को लेकर कहा, रायपुर सांसद ने जून 2026 को कुम्हारी टोल प्लाज़ा को बंद होने का दावा किया था। हर दावे की तरह यह दावा भी खोखला निकला। कुम्हारी टोल प्लाज़ा के बंद होने की ख़बर का ख़ूब प्रचार प्रसार किया गया था बकायदा मैं पोस्ट करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कुम्हारी टोल प्लाज़ा के बंद होने की घोषणा को लेकर प्रधानमंत्री एवं परिवहन मंत्री का आभार भी जताया गया था।

मुख्यमंत्री ने किया 103 करोड़ के स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्यों का भूमिपूजन

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता विकसित प्रदेश के लिए स्वस्थ छत्तीसगढ़ आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में 103 करोड़ से अधिक लागत के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिजूपन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। राज्य में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने 200 सीटर के छात्रावास के साथ चिकित्सकीय स्टॉफ क्वार्टर और कैंसर विभाग के भवन को 6 मंजिला बनाने आधारशिला रखी।

अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछली बार मेडिकल कॉलेज आने पर विद्यार्थियों ने छात्रावास निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए आज उसके निर्माण की शुरुआत कर दी है। राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारा है। डीएम कार्डियक कोर्स की स्वीकृति से लेकर अन्य स्वास्थ्य परियोजनाओं तक केंद्र सरकार ने हर मांग पर सकारात्मक सहयोग दिया है भविष्य में छत्तीसगढ़ को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की सौगात मिलेगी, जिससे राज्य की समृद्ध औषधीय वनस्पतियों एवं आयुर्वेद को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सरगुजा से लेकर बस्तर तक प्रदेश के हर क्षेत्र में सेवाएं देने का संकल्प लें और केवल शहरों तक सीमित रहने की मानसिकता न रखें।

अपने गिरेबां में झांकें भूपेश बघेल

स्वास्थ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री रहने भूपेश बघेल को किसी तरह की टिप्पणी करने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए।अपने पांच साल में तो हॉस्टल का निर्माण तो दूर, उसके बजट की राशि को भी खत्म कर दिया। टीएस सिंहदेव अंबिकापुर मेडिकल कालेज की राशि मांगते रहे गए, जिसे मंजूर नहीं किया गया। कोरबा, कांकेर, महासमुंद कालेजों का केवल भूमिपूजन करते रहे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छात्रावास, कैंसर संस्थान विस्तार एवं अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होंगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से पहले एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति, नर्सिंग कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि, फिजियोथेरेपी कॉलेजों का विस्तार तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। 10 एकड़ में 100 बिस्तरों वाले योग एवं नेचुरोपैथी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर का निर्माण भी प्रगति पर है। डीएम कार्डियक कोर्स प्रारंभ हो चुका है तथा जगदलपुर में जल्द ही छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा हार्ट सेंटर स्थापित किया जाएगा।

कहां क्या बनेगा

200 सीटर का हॉस्टलः- यहां छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाओं के साथ चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के लिए भी आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

6 मंजिला कैंसर भवनः- लगभग 11 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में बनने वाले इस भवन में आधुनिक लैब, 64-64 बिस्तरों वाले वार्ड, सिंगल रूम, आईसीयू तथा अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर विकसित किए जाएंगे, जिससे कैंसर रोगियों को उच्च स्तरीय उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

कन्या छात्रावास का विस्तारः- छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास का विस्तार किया जाएगा, जिसमें अतिरिक्त कमरे, डॉरमेट्री, लाइब्रेरी, रिक्रिएशन हॉल तथा सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि छात्राओं को सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध हो सके।

कांग्रेस का काम गलतफहमी पैदा करना

कार्यक्रम के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस का काम गलतफहमी पैदा करना है। उनकी संस्कृति है कि वे कुछ करते हैं। मुख्यमंत्री ने रायगढ़ के केलो परियोजना का उदाहरण देते हुए कहा कि पांच साल शासन में रहने के बाद भी उन्होंने कुछ नहीं किया।

'सहकारी सप्ताह' के समापन पर बोले अमित शाह- सहकारिता के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत सरकार द्वारा गठित 'सहकारिता मंत्रालय' की स्थापना के सफल 5 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारी सप्ताह का समापन जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में हुआ। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के उद्बोधन का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया।

उन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलावों का जिक्र किया, जिनमें 50,000 पैक्स को ई-पैक्स में बदलना, त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना, दुनिया की सबसे बड़ी अन्न गोदाम श्रृंखला का निर्माण, सहकारी समितियों को कॉमन सर्विस सेंटर बनाना और देश भर में भारत टैक्सी सेवा की शुरुआत आदि कार्य शामिल हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकारिता एवं वन मंत्री केदार कश्यप उपस्थित रहे। उन्होंने बैंक परिसर में 'छत्तीसगढ़ महतारी' की प्रतिमा का गरिमामय अनावरण भी किया गया। बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपेक्षा व्यास ने प्रगति प्रतिवेदन पढ़ते हुए बैंक की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष की स्थिति में बैंक को 216 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक सकल लाभ हुआ है। केंद्र सरकार की 'सहकार से समृद्धि' योजना के तहत बैंक द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्य हैं, जिसमें माइक्रो एटीएम बैंक से जुड़ी 682 सहकारी समितियों और 98 डेयरी समितियों में माइक्रो एटीएम का संचालन। कॉमन सर्विस सेंटर समितियों के माध्यम से नागरिकों को 32 जरूरी सेवाएं दी जा रही हैं। 12 प्राथमिक सहकारी समितियों द्वारा सस्ते इलाज के लिए जन औषधि केंद्रों का संचालन। दुर्गम क्षेत्रों की 10 सहकारी समितियों के माध्यम से एलपीजी गैस का वितरण।

केदार ने कहा- आरोप निराधार, राज्य सरकार संवेदनशील सुशील बोले- ग्रामीणों से माफी मांगे, मकान वहीं बनाएं

नकटी मामले में सियासत गरमाई, कांग्रेस-भाजपा ने एक दूसरे पर लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नकटी में ग्रामीणों का आवास तोड़े जाने के मामले में सियासत गरमा गई है। मामले में वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, इस प्रकरण को लेकर कांग्रेस द्वारा राज्य सरकार पर लगाए जा

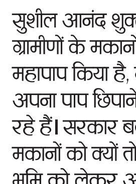

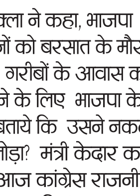

रहे आरोप पूरी तरह निराधार, भ्रामक और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, भाजपा सरकार ने नकटी में ग्रामीणों के मकानों को बरसात के मौसम में तोड़ने का महापाप किया है, गरीबों के आवास को उजाड़ने के बाद अपना पाप छिपाने के लिए भाजपा के नेता रोज झूठ बोल रहे हैं। सरकार बताये कि उसने नकटी के ग्रामीणों के मकानों को क्यों तोड़ा? मंत्री केदार कश्यप ने कहा, जिस भूमि को लेकर आज कांग्रेस राजनीति कर रही है, उसके आबंटन की प्रक्रिया 1 सितंबर 2020 से तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ हुई थी। राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट उल्लेख है कि यह भूमि हाउसिंग बोर्ड को आबंटित किए जाने के लिए प्रस्तावित थी। उन्होंने कहा, जिला प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण में लगातार विधिसम्मत कार्रवाई करने का प्रयास किया। प्रभावित परिवारों के व्यवस्थापन का प्रयास किया गया।

भूमि के उपयोग पर निर्णय नहीं हुआ

उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को भी निराधार बताया कि उक्त भूमि पर विधायक कॉलोनी बनाई जाएगी। उन्होंने कहा, इस भूमि के उपयोग को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। भविष्य में उसका उपयोग हाउसिंग बोर्ड तथा सक्षम विभागों द्वारा नियमानुसार तय किया जाएगा।

अकबर का पलटवार : ग्राम नकटी की जमीन को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन अनुराग सिंहदेव के बयान पर पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने पलटवार किया है। मोहम्मद अकबर ने 4 अक्टूबर 2024 को आवास पर्यावरण विभाग के सचिव द्वारा कलेक्टर को लिखे गए पत्र का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि इस पत्र में साफ तौर पर सांसद-विधायक कॉलोनी के लिए 72 एकड़ जमीन खाली कराकर हाउसिंग बोर्ड को सौंपने की बात कही गई है।

गरीबों का मकान तोड़कर अराजकता फैला रही सरकार

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, प्रदेश में लोगों पर अत्याचार करके आम आदमी के मकानों को तोड़ कर अराजकता सरकार फैला रही और गरीबों की आवाज उठाने पर कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का बेशर्मीपूर्वक आरोप पर लगा रही है। भाजपाई मंत्री, कांग्रेस पर आरोप लगाकर अपने सरकार के अपराध को छुपा नहीं सकते। भाजपा झूठ बोल रहे कांग्रेस सरकार के समय नकटी में विधायक आवास बनाने की योजना स्वीकृत हुई थी। कांग्रेस सरकार में वहां पर विधायक आवास बनाने की प्रस्ताव आया था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने खारिज कर दिया था।

उद्योगों को बढ़ावा देने बड़ा फैसला : छत्तीसगढ़ में जमीन डायवर्सन शुल्क में मिलेगी 100 फीसदी तक की छूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) शुल्क में बड़ी राहत देने का फैसला किया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से लेकर बड़े उद्योगों, निजी औद्योगिक पार्कों, लॉजिस्टिक हब और प्लग एंड प्ले औद्योगिक परियोजनाओं के लिए डायवर्सन शुल्क में 50 से 100 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया है। इसके साथ ही इस संबंध में 14 सितंबर 2022 को जारी आदेश निरस्त कर दिया गया है। औद्योगिक निवेश आकर्षित करने की पहलआदेश के अनुसार, राज्य की लागू औद्योगिक विकास नीति और लॉजिस्टिक्स नीति के तहत पात्र इकाइयों को निर्धारित शर्तों के अनुरूप यह रियायत मिलेगी। सरकार का उद्देश्य औद्योगिक परियोजनाओं की शुरुआती लागत कम करना और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

किन्हें कितनी मिलेगी छूट

आदेश के अनुसार पात्र सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को औद्योगिक प्रयोजन के लिए अधिकतम 15 एकड़ भूमि के डायवर्सन पर 50 प्रतिशत शुल्क छूट मिलेगी। पात्र बड़े उद्योगों को औद्योगिक अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए अधिकतम 50 एकड़ भूमि तक 50 प्रतिशत छूट दी जाएगी।वहीं, कम से कम 15 एकड़ भूमि विकसित करने वाले पात्र निजी औद्योगिक क्षेत्र अथवा औद्योगिक पार्कों को 100 प्रतिशत तक डायवर्सन शुल्क से छूट मिलेगी। इसी प्रकार निजी प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर तथा फ्लैटेड फैक्टरी परियोजनाओं को भी पूर्ण शुल्क माफी प्रदान की जाएगी।

लॉजिस्टिक हब और मिनी मॉल भी दायरे में

सरकार ने लॉजिस्टिक हब, लॉजिस्टिक पार्क, ड्राई पोर्ट, इनलैंड कंटेनर डिपो, एयर कार्गो टर्मिनल, गति शक्ति कार्गो टर्मिनल तथा ट्रांसपोर्ट हब एवं फ्रेट स्टेशन जैसी परियोजनाओं के लिए भी डायवर्सन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया है।इसके अलावा नगरीय क्षेत्रों में अथवा विकासखंड मुख्यालय से 10 किलोमीटर की परिधि के भीतर स्थित गैर-नगरीय क्षेत्रों में मल्टीप्लेक्स सुविधा वाले पात्र मिनी मॉल स्थापित करने पर भी भूमि उपयोग परिवर्तन शुल्क पूरी तरह माफ रहेगा।

जब्ती पत्रक के साथ जब्त सामान पर लगेगा बारकोड

कोतवाली के बाद अब गुढ़ियारी थाने में बना ई-मालखाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोतवाली के बाद सोमवार को गुढ़ियारी थाने के माल खान को ई-मालखाना के रूप में तब्दील किया गया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले ने इसका शुभारंभ किया। पुलिस का दावा है कि नई व्यवस्था से जब्त सामान की निगरानी, रिकॉर्ड और ट्रैकिंग पहले की तुलना में अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित होगी।

ई-मालखाना का उद्घाटन करने के पहले इसका डेमो दिखाया गया। इसमें डिजिटल पंजीयन, बारकोड आधारित पहचान, रैकवार स्टोरेज और रिकॉर्ड ट्रैकिंग की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। इस मौके पर नार्थ डीसीपी मयंक गुर्जर, डीसीपी वेस्ट संदीप पटेल सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। डीसीपी मयंक गुर्जर ने बताया कि ई-मालखाना लागू करने से पहले थाने में रखे सभी जब्त सामान का भौतिक सत्यापन कराया गया।

इसके बाद मालखाने को वैज्ञानिक तरीके से रैकवार

व्यवस्थित किया गया। सामान को ए-1, ए-2, बी-1, बी-2 जैसी श्रेणियों में रखा गया, ताकि जरूरत पड़ने पर उसकी लोकेशन तुरंत पता चल सके।

जब्त सभी सामान पर बारकोड

जब्त सभी तरह के समान पर बारकोड लगाया गया है और उसका सॉफ्टवेयर के जरिए डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया गया है। इससे अब सामान जमा करने, निकालने और खोजने की प्रक्रिया तेज और आसान हो जाएगी। ई-मालखाना सिस्टम में हर जब्त सामान का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेगा। इसी पूरे प्रोसेस को चेन ऑफ कस्टडी कहा जाता है, जो किसी भी केस में सबूत की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

तीन जगहों पर बारकोड टैग किया जा रहा

पुलिस अफसरों के अनुसार बारकोड तीन अलग-अलग जगहों पर लगाए जा रहे हैं। पहला जब्त माल पर इसके बाद जब्ती पत्रक और मालखाना रजिस्टर में। इसका मकसद जब्त सामान से जुड़ी हर जानकारी आपस में डिजिटल तरीके से लिंक रहे और किसी भी स्तर पर गड़बड़ी या भ्रम की स्थिति न हो।

आईआईटी में शिक्षकों की क्लास, विशेषज्ञ बताएंगे- कैसी हो कौशल आधारित शिक्षा, 400 टीचर्स से ट्रेनिंग की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आईआईटी भिलाई द्वारा प्रदेश के शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। सोमवार से इसकी शुरुआत हुई। 400 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने 8 बैच निर्मित किए गए हैं। प्रत्येक बैच को तीन दिनों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस तरह से यह प्रशिक्षण लगभग एक माह चलेगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की शैक्षणिक क्षमताएं बढ़ाना है। समग्र शिक्षा के सहयोग से आईआईटी भिलाई के कैंपस में यह प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के जरिए विद्यालयी शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में वृद्धि करना, कौशल-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा मूल्यपरक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुदृढ़ करने की कोशिश की जाएगी।

स्वावलंबन की दिशा में बढ़ें शिक्षक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के निदेशक प्रो.राजीव प्रकाश ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला होते हैं और समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर हों, कौशल विकास पर विशेष ध्यान दें तथा विद्यार्थियों में उत्तम चरित्र और नैतिक मूल्यों के निर्माण के लिए सतत प्रयास करें।

संयोजक डॉ. महबूब आलम ने अपने संबोधन में कहा, शिक्षक दीपक के समान होते हैं, जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों के जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं। वहीं डॉ. ध्रुव प्रताप सिंह ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि वे सदैव अपने शिक्षकों के योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण करते थे, जो शिक्षा के महत्व को दर्शाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रयोग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों को कौशल आधारित शिक्षा देने तथा उन्हें टेक्नोलॉजी से अपडेट रखने का प्रावधान है। इस संदर्भ में अब शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे छात्रों को कौशल आधारित शिक्षा दे पाएं। प्रशिक्षण में शिक्षकों को यह बताया जा रहा है कि वे किस तरह से छात्रों की प्रतिभा को पहचान कर उसे सही दिशा दे सकते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

तहसील भवन निर्माण का घपला उजागर : वर्मा

कूंरा। विधानसभा क्षेत्र धरसींवा के मुख्यालय में स्थित नवीन तहसील कार्यालय भवन, जिसका निर्माण छत्तीसगढ़ निर्माण मंडल द्वारा लगभग 66 लाख रुपये की लागत से कराया गया था, का उद्घाटन 31 मार्च को मुख्यमंत्री के करकमलों से किया गया था। किंतु उद्घाटन के मात्र तीन महीने बाद ही पहली बरसात में भवन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। धरसीवां कांग्रेस कमेटी के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा ने आरोप लगाया है कि पहली ही बारिश में भवन की छत से कई स्थानों पर पानी का रिसाव हो रहा है, जिससे पूरा कार्यालय परिसर पानी से तरबतर हो गया है। तहसीलदार का कक्ष भी सुरक्षित नहीं है तथा विद्युत लाइनों में पानी का रिसाव होने से शॉर्ट सर्किट और किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

स्वास्थ्य शिविर में 29 का अयुष्मान कार्ड बनाया

अभनपुर। सेक्टर खोरपा अंतर्गत ग्राम परसुलिडीह में एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वस्थ जीवनशैली अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों के रक्तचाप (बीपी), ब्लड शुगर, नेत्र परीक्षण एवं ओरल कैंसर की जांच की गई। सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। साथ ही 29 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड भी बनाए गए। जांच के दौरान 8 मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान की गई, जिन्हें आगे के उपचार के लिए चिन्हित किया गया। वहीं एक 10 वर्षीय स्कूली छात्रा की एक आंख में सफेद मोतियाबिंद (व्हाइट कैटरैक्ट) के लक्षण पाए गए। शिविर में नेत्र सहायक अधिकारी रोशन लाल साहू , ग्रामीण चिकित्सा अधिकारी डी.एस. नेताम, ठाकुर राम सोनवानी, योगिता साहू, अनूप साहू, हेमंत चतुर्वेदानी, संतोषी सिन्हा, बिसन बंजारे, रुखमणी साहू सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

तहसील भवन निर्माण में भष्टाचार उजागरः बंजारे

सिलयारी। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने धरसीवा के नवनिर्मित तहसील कार्यालय में बारिश के दौरान घुटनों तक पानी भर जाने और भवन की छत से पानी टपकने की घटना को भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण कार्य का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि जिस तहसील कार्यालय का उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पिछले महीने किया था, उसी भवन की गुणवत्ता पहली ही बारिश में सवालों के घेरे में आ गई। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि नया सरकारी भवन एक महीने भी बारिश नहीं झेल पाया, तो यह निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

निधन

डोमार साहू

आरंग। ग्राम रीवा निवासी डोमार साहू का निधन हो गया। वे 35 वर्ष के थे। उनके अंतिम यात्रा मे परिजन व ग्रामीण शामिल हुए। वे बीसहत साहू के पुत्र तथा दुष्यंत, सूर्या, विनोद, धनेश्वर, राधे, रामकुमार एवं विनय के भाई थे।

खेत पानी से लबालब, बीज सड़ने की आशंका, दोबारा बुआई की नौबत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पानी भर जाने से कई स्थानों पर धान की बोवनी के बाद डाले गए बीज लंबे समय से पानी में डूबे हुए हैं। ऐसे में बीजों के सड़ने और अंकुरण प्रभावित होने की आशंका गहराने लगी है। यदि जल्द ही पानी की निकासी नहीं हुई और बारिश का सिलसिला नहीं थमा, तो किसानों को दोबारा बोवनी करने की नौबत आ सकती है।

- बारिश से मिली राहत पर किसानी कार्य बाधित

किसानों का कहना है कि मानसून की शुरुआत में अच्छी बारिश मिलने से उन्होंने उत्साह के साथ धान की बोवनी शुरू की थी। लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण खेत पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। जिन खेतों में पानी कई दिनों तक ठहरा रहेगा, वहां बीजों के खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

खेत खाली करने में भिड़े किसान, किसानी की लागत बढ़ी

फाईल फोटो

अंकुरण प्रक्रिया भी बाधित

इससे खेती की लागत बढ़ने के साथ-साथ समय पर फसल तैयार होने पर भी असर पड़ सकता है। कृषि जानकारों के अनुसार धान के बीजों के लिए सीमित नमी लाभदायक होती है, लेकिन लंबे समय तक जलभराव रहने से अंकुरण प्रक्रिया बाधित हो जाती है। इससे पौधों की संख्या कम हो सकती है और उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। क्षेत्र के किसान अब मौसम साफ होने और खेतों से अतिरिक्त पानी निकलने का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक लगातार बारिश जारी रही, तो कई खेतों में दोबारा बीज डालने की आवश्यकता पड़ सकती है, जिससे आर्थिक बोझ और बढ़ेगा। किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से भी स्थिति पर नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

विडंबना : 66 लाख के भवन की छत से तीन माह में जगह-जगह टपक रहा

सीएम के हाथों लोकार्पित लाखों के तहसील भवन की पहली बारिश में ही खुली पोल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| धरसींवा

लगभग 66 लाख लाखों रुपये की लागत से बने नवीन तहसील कार्यालय का लोकार्पण तीन माह पूर्व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया था। भवन की छत रविवार और सोमवार को हुई पहली तेज बारिश नहीं झेल पाई। निर्माण एजेंसी छत्तीसगढ़ निर्माण मंडल, रायपुर के दावों की हवा निकाल गई है। भवन निर्माण भ्रष्टाचार की एक-एक परत को सरेआम उखड़ रही है। विकास की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले जिम्मेदार इंजीनियरों और सिस्टम की पोल किसी विभागीय जांच दल ने नहीं, बल्कि खुद कुदरत ने अपनी बूंदों से खोल दी है।

निर्माण एजेंसी छत्तीसगढ़ निर्माण मंडल के दावों की हवा निकली

तहसीलदार ने चुप्पी साधी : इस बदइंतजामी का सबसे हैरान करने वाला नजारा सोमवार को ठीक दोपहर 12 बजे देखने को मिला, जब नए तहसीलदार राजकुमार साहू अपने कार्यकाल के पहले ही दिन पदभार ग्रहण करने पहुंचे। नए दफ्तर में कदम रखते ही उनका सामना स्वागत-सत्कार से नहीं, बल्कि छत से टपकते पानी की धार से हुआ। नजारा देखकर वे खुद चकित रह गए कि जिस मुख्य चेम्बर में बैठकर उन्हें इलाके की जनता के जमीनी विवादों को सुलझाना था, ठीक उसी न्याय की कुर्सी पर आसमान से पानी टपक रहा था। तहसीलदार की टेबल, कुर्सी और पूरा का पूरा बैठने का स्थान टपकती छत के कारण पूरी तरह सराबोर हो चुका था। सिर्फ तहसीलदार का चेम्बर ही नहीं, बल्कि दफ्तर के लगभग सभी कमरों की छतों से पानी लगातार रिस रहा था। नए तहसीलदार ने इस गंभीर मामले में कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया।

जांच और एफआईआर की उठी मांग

दूर-दराज के गांवों से आए ग्रामीण और आम जनता भी इस नजारे को देखकर चकित और आक्रोशित रह गए। जो इमारत अभी तीन महीने पहले बनी है, वह पहली ही बारिश में रिसने लगी, तो आगे इसके टिकने की क्या गारंटी है? इस बीच खबर फैलते ही राजनीति भी गरमा गई। मौके पर पहुंचे पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा ने टपकती छत और बदहाल कमरों का मुआयना करने के बाद इसे सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का नतीजा बताया। उन्होंने इस घटिया निर्माण कार्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। जिम्मेदार अफसरों व ठेकेदार पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने की बात कही।

जानकारी नहीं, जांच की जाएगी

नवीन तहसील कार्यालय की छतों से पानी टपक रहा है या पानी का रिसाव होने की जानकारी मुझे मीडिया से हो रही है। मुझे कोई जानकारी नहीं है,जांच करवाता हूं दिखवाता हूं।

नकटी बेदखली कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस ने विधायक का पुतला फूंका

कुरा/सिलयारी। 6 जुलाई प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार धरसीवां ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा सोमवार को ब्लॉक के सभी मंडलों में भाजपा विधायक अनुज शर्मा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नकटी गांव में गरीब परिवारों के मकानों को तोड़े जाने की घटना के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय विधायक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, सभी मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा तथा पुनर्वास की मांग की।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार यह विरोध प्रदर्शन पूरे धरसीवां ब्लॉक के सभी मंडलों में किया गया है। जिसमें पूर्व जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष उधो वर्मा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धरसीवा अध्यक्ष आशीष वर्मा, प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी अध्यक्ष भावेश बघेल, सिलयारी मंडल अध्यक्ष शेखर यादव,पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उत्तम कमल भारती, घनश्याम वर्मा, उपाध्यक्ष विजय साहू, कन्हैया यादव ,रतन सोलंकी, संतोष शर्मा, अरविंद यदु, श्रीमती कुमुदिनी चन्द्रवंशी, रूपेश बघेल, सुरेश कुमार वर्मा, रामकुमार वर्मा, विष्णु निषाद, मयंक साहू, भगवानी डहरिया, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रभावित परिवारों को न्याय नहीं मिला, तो कांग्रेस पार्टी आगे भी जनहित के मुद्दों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखेगी।

सतनामी समाज ने किया मेधावी छात्रों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अभनपुर

उपतहसील परिक्षेत्र सतनामी समाज खोरपा द्वारा परिक्षेत्र स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में शामिल अतिथियों ने कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के 80 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रिका जितेन्द्र बंजारे, विशेष अतिथि श्रीमती रानी मनोज सोनवानी, अध्यक्षता सर्वसमाज अध्यक्ष अश्वनी बबलू त्रिवेंद्र उपस्थित रहे। इस अवसर पर सतनामी समाज अध्यक्ष लक्षवीर बांधे ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है। शिक्षित समाज ही निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता है, इसलिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस दौरान उपाध्यक्ष मनमोहन कुर्रे, सचिव जितेंद्र कुर्रे, महासचिव संजय कुर्रे, संरक्षक मोहन बंजारे, प्रवक्ता कमलेश बांधे, सलाहकार सूर्यकांत चेलक, प्रचार सचिव हेमलाल मार्कण्डेय, सह प्रचार सचिव अजय गायकवाड़, मीडिया प्रभारी गौतम बांधे, राजेन्द्र ऐनेश्वरी, महेश कुर्रे, मुन्नालाल गायकवाड़, श्याम चेलक, महेश्वर डहरिया, डोमार टंडन, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती नेहा कुर्रे, उपाध्यक्ष श्रीमती नीता चेलक, सचिव सरस्वती बघेल, महासचिव कुन्ती बांधे, श्रीमती सुरेखा ओगरे, भोज डहरिया, सुनीता बांधे सहित खोरपा परिक्षेत्र के सामाजिक जन,अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. मुखर्जी को कुकरा में भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

ग्राम पंचायत कुकरा में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुखर्जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।

इस अवसर पर आयोजित विचार संगोष्ठी में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का ऐतिहासिक संकल्प एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे आज भी राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रेरणास्त्रोत है।

उनके आदर्शों और विचारों को आत्मसात कर देशहित में कार्य करने का संकल्प भी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने लिया। कार्यक्रम में सरपंच नंदलाल डहरिया, अटल नगर मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष हेमलता साहू, उपाध्यक्ष शारदा साहू, ओबीसी मोर्चा के जिला कार्यसमिति सदस्य डुमेंद्र साहू, बूथ अध्यक्ष दीनदयाल साहू एवं कमलेश साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने डॉ. मुखर्जी के बताए राष्ट्रसेवा, समर्पण और एकात्मता के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया।

नाबालिग को भगाने व दुष्कर्म के आरोपी को जेल भेजा गया

धरसींवा। ब्लाक मुख्यालय के एक ग्राम के एक युवक द्वारा पड़ोस के गांव की नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे अदालत के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार,रवि शंकर निषाद (20) पिता मुकुन्दी निषाद ने नाबालिग लड़की को अपने झांसे में लिया और उसे उसके घर से भगाकर ले गया और शारीरिक संबंध बनाए। परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस ने तुरंत टीम गठित कर पीड़िता और आरोपी की तलाश शुरू की। तकनीकी सहायता और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी रवि शंकर निषाद को धर दबोचा और नाबालिग लड़की को उसके चंगुल से सकुशल छुड़ाया। चिकित्सीय परीक्षण के बाद बयान दर्ज किया गया।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नए कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 137(2) (अपहरण), धारा 87, और धारा 64(2) (दुष्कर्म) के साथ-साथ बच्चों के संरक्षण के लिए बने सख्त कानून पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत गंभीर आपराधिक मामला दर्ज किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

चोरों का गिरोह फूटा, पांच बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अभनपुर

पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण के निर्देशन में अभनपुर क्षेत्र में हुए मोटरसाइकिल चोरी के मामलों में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं जिसमें चार मोटरसाइकिलें अभनपुर एवं एक मोटरसाइकिल राखी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। पुलिस ने एक अपचारी बालक सहित दो आरोपी आकाश कुमार लहरी उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम खोल्हा, संदीप कुमार सिंह उर्फ लालू उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम खोल्हा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मिली जानकारी जिले में अपराध नियंत्रण और आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

- आरोप में एक अपचारी समेत दो गिरफ्तार

इसी अभियान के तहत अभनपुर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और त्वरित विवेचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को हिरासत में लिया पूछताछ में आरोपियों ने अभनपुर और राखी थाना क्षेत्रों से कुल पांच मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने सभी चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कर लीं। जांच में पुष्टि हुई कि बरामद सभी वाहनों के संबंध में दोनों थानों में चोरी के प्रकरण पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर पार्क करें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर दें। पुलिस का कहना है कि जिले में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

नदी-नाले उफान पर, कई ग्रामीण मार्गों के ऊपर पानी बह रहा

तटवर्ती गांवों के लिए अलर्ट जारी, समोदा बैराज के 16 गेट खुले

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

आरंग क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार और भारी बारिश ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार हो रही इस मूसलाधार बारिश के कारण क्षेत्र के नदी, नाले और जलस्त्रोत उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और जलभराव वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नदियों में पानी की भारी आवक को देखते हुए समोदा बैराज के सभी 16 गेट खोल दिए गए हैं, जिससे भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। बैराज के गेट खोले जाने के बाद महानदी के तटीय इलाकों और आसपास के निचले गांवों में प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी कर दिया गया है।

फाईल फोटो

सैकड़ों एकड़ की खेती जलमग्न : ग्रामीणों को नदी-नालों के पास न जाने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की मुनादी कराई जा रही है। कोटवारों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस आफत की बारिश ने सबसे ज्यादा मार क्षेत्र के अन्नदाताओं पर डाली है। लगातार बारिश के कारण आरंग क्षेत्र के सैकड़ों एकड़ खेत पूरी तरह से जलमग्न हो चुके हैं। खेतों में पानी भर जाने से किसानों की महीनों की कड़ी मेहनत पानी में डूबती नजर आ रही है। हाल ही में की गई बुआई और थरहा (नर्सरी) पानी में डूबने के कारण सड़ने की कगार पर हैं। किसान नेता पारस नाथ साहू ने वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण आरंग क्षेत्र के अधिकांश खेतों में पानी भर गया है। धान और अन्य फसलें पूरी तरह जलमग्न हो चुकी हैं। अगर अगले एक से दो दिनों के भीतर खेतों से पानी खाली नहीं हुआ, तो फसलें सड़ जाएंगी और पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगी।

किसानों को भारी आर्थिक नुकसान

इससे क्षेत्र के किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा, जिससे उनकी कमर टूट जाएगी। किसानों के इस दर्द को समझते हुए स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार से तुरंत दखल देने की अपील की है। नदी-नालों के उफान पर होने के कारण कई ग्रामीण मार्गों और पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे दर्जनों गांवों का संपर्क ब्लॉक मुख्यालय से टूट गया है। मार्ग बंद होने के कारण लोग घरों में ही कैद रहने को मजबूर हैं। दैनिक मजदूरी करने वाले और छोटे व्यापारियों का धंधा भी इस बारिश के कारण पूरी तरह ठप हो गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत स्थानीय कंट्रोल रूम या बाढ़ नियंत्रण कक्ष को सूचित करें और उफान पर चल रहे पुल-पुलियों को पार करने का जोखिम कतई न उठाएं।

उद्योगों को बढ़ावा देने बड़ा फैसला : छत्तीसगढ़ में जमीन डायवर्सन शुल्क में मिलेगी 100 फीसदी तक की छूट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) शुल्क में बड़ी राहत देने का फैसला किया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से लेकर बड़े उद्योगों, निजी औद्योगिक पार्कों, लॉजिस्टिक हब और प्लग एंड प्ले औद्योगिक परियोजनाओं के लिए डायवर्सन शुल्क में 50 से 100 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया है। इसके साथ ही इस संबंध में 14 सितंबर 2022 को जारी आदेश निरस्त कर दिया गया है। औद्योगिक निवेश आकर्षित करने की पहलआदेश के अनुसार, राज्य की लागू औद्योगिक विकास नीति और लॉजिस्टिक्स नीति के तहत पात्र इकाइयों को निर्धारित शर्तों के अनुरूप यह रियायत मिलेगी। सरकार का उद्देश्य औद्योगिक परियोजनाओं की शुरुआती लागत कम करना और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

किन्हें कितनी मिलेगी छूट

आदेश के अनुसार पात्र सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को औद्योगिक प्रयोजन के लिए अधिकतम 15 एकड़ भूमि के डायवर्सन पर 50 प्रतिशत शुल्क छूट मिलेगी। पात्र बड़े उद्योगों को औद्योगिक अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए अधिकतम 50 एकड़ भूमि तक 50 प्रतिशत छूट दी जाएगी।वहीं, कम से कम 15 एकड़ भूमि विकसित करने वाले पात्र निजी औद्योगिक क्षेत्र अथवा औद्योगिक पार्कों को 100 प्रतिशत तक डायवर्सन शुल्क से छूट मिलेगी। इसी प्रकार निजी प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर तथा फ्लैटेड फैक्टरी परियोजनाओं को भी पूर्ण शुल्क माफी प्रदान की जाएगी।

लॉजिस्टिक हब और मिनी मॉल भी दायरे में

सरकार ने लॉजिस्टिक हब, लॉजिस्टिक पार्क, ड्राई पोर्ट, इनलैंड कंटेनर डिपो, एयर कार्गो टर्मिनल, गति शक्ति कार्गो टर्मिनल तथा ट्रांसपोर्ट हब एवं फ्रेट स्टेशन जैसी परियोजनाओं के लिए भी डायवर्सन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया है।इसके अलावा नगरीय क्षेत्रों में अथवा विकासखंड मुख्यालय से 10 किलोमीटर की परिधि के भीतर स्थित गैर-नगरीय क्षेत्रों में मल्टीप्लेक्स सुविधा वाले पात्र मिनी मॉल स्थापित करने पर भी भूमि उपयोग परिवर्तन शुल्क पूरी तरह माफ रहेगा।

खबर संक्षेप

माना कैंप में डॉ. मुखर्जी की मनाई जयंती

रायपुर। नगर पंचायत माना कैंप के पूर्व अध्यक्ष श्यामा प्रसाद चक्रवर्ती ने सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उनके तेल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया और वरिष्ठ एवं विशिष्टजनों को सम्मान किया। इस मौके पर श्री चक्रवर्ती ने डॉ. मुखर्जी को एक विशिष्ट राष्ट्र निर्माता, प्रख्यात शिक्षाविद और दूरदर्शी नेता के रूप में याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन भारत की एकता, गरिमा और प्रगति के लिए समर्पित कर दिया था। इस अवसर पर नगर पंचायत माना कैंप के अध्यक्ष संजय यादव, भाजपा माना मंडल के अध्यक्ष भीमवंत निषाद, के. एबु उपाध्यक्ष, नरेश पिल्लै, सौरभ आहूजा, पार्षद नंदलाल बर्मन, तरुण राय, प्रदीप विश्वास, शक्ति मंडल, संजय साहा आदि उपस्थित थे।

नवनामांकित पार्षदों का सदन में किया स्वागत

रायपुर। नगर निगम सामान्य सभा सभागार में आयोजित विशेष सम्मिलन की बैठक में शामिल होने पहुँचे नगर निगम रायपुर में नव नामांकित पार्षदों का महापौर मीनल चौबे, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने बुके देकर स्वागत किया। नव नामांकित पार्षद पहली बार विशेष सामान्य सभा की बैठक में शामिल होने गांधी सदन आए। इनमें रामकिकर सिंह, विनय ओझा, मनीष करडमुजे, मित्रसेन धीमान, राजू राधवानी, गोपाल सोना, बी. श्रीनिवास राव, गोपी साहू, विक्रम सिंह ठाकुर, ऋषि साहू शामिल रहे।

जीआईएस तकनीक से राजधानी में पहली बार बनेगा सब स्टेशन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी ने प्रदेश में पहली बार राजधानी रायपुर में जीआईएस तकनीक से 33/11 केवी का सब स्टेशन नयापारा में बनाने का फैसला किया है। इसके लिए टेंडर का काम पूरा हो गया है। इस माह इसका काम प्रारंभ करने की तैयारी है। जीआईएस तकनीक की खासियत यह है कि इसमें सामान्य सब स्टेशन में लगने वाले स्थान का महज 30 फीसदी स्थान ही लगता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में वैसे भी स्थान की कमी है। ऐसे में अब राजधानी में बढ़ते लोड को देखते हुए आने वाले समय में जीआईएस तकनीक से ही सब स्टेशन बनाने का काम होगा।

पॉवर कंपनी की कंपनियों में ट्रांसमिशन कंपनी के हिस्से में 132/33 और इससे ज्यादा क्षमता के सब स्टेशन बनाने का काम आता है। 33 और 11 केवी के सब स्टेशन बनाने का काम पॉवर वितरण कंपनी करती है। अब तक पॉवर वितरण कंपनी ने प्रदेश भर में जो भी 33 और 11 केवी के सब स्टेशन बनाने का काम किया है, सभी सामान्य तकनीक से बनाए गए हैं।

नयापारा में खाली स्थान पर बनाने की तैयारी

अंडरग्राउंड वायरिंग से बनेगा 33/11 केवी का सब स्टेशन

कम स्थान पर बनेगा सब स्टेशन

राजधानी रायपुर में नए सब स्टेशन बनाने के लिए अब स्थान की कमी होने लगी है। ऐसे में पॉवर वितरण कंपनी ने फैसला किया है कि आने वाले समय में कम स्थान में बनने वाले सब स्टेशन जीआईएस तकनीक से बनाए जाएंगे। इस तकनीक से ट्रांसमिशन कंपनी ने रावणभाठा में 2016 में 132/33 केवी का 63 एमवीए वाला सब स्टेशन बनाया था जो बीते 10 साल से अच्छे से चल रहा है। एक तरफ जहां ट्रांसमिशन कंपनी अब 400 केवी के दो नए सब स्टेशन जीआईएस तकनीक से बनाने की योजना पर काम कर रही है, वहीं वितरण कंपनी ने भी अब इस तकनीक को अपनाने का फैसला किया है।

जल्द काम होगा प्रारंभ

प्रदेश में वितरण कंपनी का पहला जीआईएस सब स्टेशन रायपुर में बनाने के लिए टेंडर हो गया है। इसका काम जल्द प्रारंभ होगा।
भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

लगातार बढ़ रहा है लोड

पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है राजधानी रायपुर में लगातार लोड बढ़ रहा है। अब तो यहां पर खपत पांच सौ मेगावाट के पार हो गई है। ऐसे में अब इसके लिए नए सब स्टेशन बनाने की जरूरत है। लेकिन नए सब स्टेशन के लिए बड़े स्थान नहीं मिल पाते हैं। यही वजह है कि अब जीआईएस तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। नयापारा के दफ्तर में करीब तीन हजार वर्ग फीट जमीन पड़ी है। इस पर ही 33/11 केवी के सब स्टेशन बनाकर इसमें 10-10 एमवीए के दो पॉवर ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। 16 करोड़ की लागत से बनने वाले इस सब स्टेशन का काम एके कंस्ट्रक्शन को दिया दिया गया है।

क्या है जीआईएस तकनीक

इस तकनीक के बारे में पॉवर कंपनी के अधिकारी बताते हैं सामान्य तकनीक एयर इंसुलेटेड होती है, जबकि जीआईएस तकनीक गैस इंसुलेटेड रहती है। इसमें सल्फर हेक्साफ्लोराइड से इंसुलेटेड करके ऊर्जा को नियंत्रित और सप्लाई किया जाता है। इसमें जिस गैस का इस्तेमाल किया जाता है, वह 40 साल तक खराब नहीं होती है। इसी के साथ इसमें सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि इसमें स्थान बहुत कम लगता है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक जीआईएस पूरी तरह इंडोर होता है। सिस्टम में बड़ी-बड़ी पाइप लाइनें होती हैं, जिसमें गैस भरी जाती है। इसमें सब स्टेशन के उपकरण स्टॉल किए जाते हैं। ऑटोमेटिक सिस्टम से लैस इसे कंप्यूटर या लैपटॉप से संचालित किया जाता है। जिसमें न अधिक कर्मचारी की जरूरत होती है और न ही अधिक मेंटेनेंस की।

पानी मिले पेट्रोल की बिक्री का आरोप, ग्राहकों ने किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव स्थित जयजवान पेट्रोल पंप में सोमवार को बड़ी संख्या में पेट्रोल खरीदने वाले ग्राहकों ने हंगामा किया। लोगों ने आरोप लगाया कि पंप से खरीदे हुए पेट्रोल में पानी मिला हुआ है, जिसके कारण उनकी गाड़ियां खराब हो रही हैं। इधर इस मामले में खाद्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि इसकी शिकायत उनके पास भी आई है। इस मामले की पहले वे जांच कराएंगे। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर ही आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध के कारण देश जहां पेट्रोल-डीजल के वैश्विक संकट से गुजर रहा था, वहीं दूसरी ओर कुछ पेट्रोल पंपों में अब पानी मिले पेट्रोल की बिक्री की जा रही है। रायपुर शहर के मरीन ड्राइव इलाके में संचालित जयजवान पेट्रोल पंप से पेट्रोल भराकर जाने वाले वाहन चालकों ने पंप संचालक पर नोजल से पानी मिला पेट्रोल बेचे जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इस हंगामे के दौरान कई लोगों ने बोतल में पानी मिला पेट्रोल दिखाते हुए विडियो बनाकर इसे सोशल मीडिया में वायरल भी किया है।

जांच कर कार्रवाई करेंगे

इस मामले में शिकायत आई है। इसकी जांच की जाएगी। जांच के बाद ही कार्रवाई करेंगे। ***भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर***

परवल, मुनगा समेत कुछ सब्जियां, धनिया, अदरक महंगे

टमाटर सहित कई सब्जियों में राहत की बारिश, दाम 50 रुपए के अंदर

मानसून में इस समय सब्जियों के दाम में राहत है। प्रदेश में टमाटर की फसल समाप्त होने के बाद गर्मी की फसल थोड़ी महंगी थी, लेकिन अब टमाटर बाहर से आने के कारण इसके दाम थोक में 10 से 12 और चिल्हर में 20 से 25 रुपए हो गए हैं। दूसरी सब्जियों के दाम भी बहुत कम हैं। ज्यादातर सब्जियां चिल्हर में 50 रुपए के अंदर हैं। इस समय धनिया, अदरक, परवल, मुनगा और ढेंस के ही दाम 50 रुपए से ज्यादा हैं। सबसे महंगी सब्जी परवल है, जिसके दाम चिल्हर में दो सौ रुपए किलो हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में टमाटर की फसल समाप्त होने के बाद इस बार गर्मी में प्रदेश के टमाटर की फसल के बाजार में आने के बाद इसके दाम ज्यादा रहे हैं। लोकल टमाटर 40 से 50 रुपए किलो बिका है। लेकिन अब प्रदेश की फसल पूरी तरह से बंद हो गई है। इस समय टमाटर की पूरी आवक बेंगलुरु से हो रही है। वहां से टमाटर बहुत ज्यादा सस्ता आ रहा है। भाड़ा ज्यादा होने के कारण ही यहां पर यह थोक में 10 से 12 रुपए में बिक रहा है। ऐसे में ज्यादातर चिल्हर सब्जी मंडियों में इसके दाम 20 से 25 रुपए किलो है।

परवल 200 रुपए किलो

सबसे महंगी सब्जी परवल थोक में 180 से 185 और चिल्हर में 200 रुपए किलो है। धनिया थोक में 100 और चिल्हर में 40 रुपए पाव बिक रहा है। ढेंस थोक में 50 से 60 और चिल्हर में 80 से 100 रुपए किलो है। अदरक के दाम आसमान पर है। इसके दाम थोक में 200 रुपए और चिल्हर में 60 से 70 रुपए पाव है।

अभी सब्जियां सस्ती

सब्जियों के दाम इस समय बहुत कम है। टमाटर भी बहुत सस्ता है। परवल जैसी कुछ सब्जियां ही महंगी हैं। आवक अभी अच्छी है। मानसून के कारण आने वाले समय में आवक प्रभावित होने पर जरूर कुछ दाम बढ़ सकते है।
टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष डूमरतराई थोक सब्जी मंडी

हर सब्जी अभी सस्ती

इस समय ज्यादातर सब्जियों के दाम बहुत कम है। यह बात अलग है कि हमेशा की तरह चिल्हर में लूट के कारण इसके दाम ज्यादा हैं। भिंडी थोक में जहां 25 से 30 रुपए है, वहीं चिल्हर में इसके दाम 40 से 50 रुपए है। करेला थोक में 25 से 30 और चिल्हर में 40 से 50 रुपए, कुंदरू थोक में 30 से 35 और चिल्हर में 50 से 60 रुपए, कोचाई थोक में 20 से 25 और चिल्हर में 40 से 50 रुपए, फूल गोभी थोक में 35 रुपए और चिल्हर में 50 से 60 रुपए, पत्ता गोभी थोक में 12 रुपए और चिल्हर में 20 रुपए, लौकी थोक में 4 से 6 रुपए और चिल्हर में 15 से 20 रुपए, कद्दू थोक में 8 रुपए और चिल्हर में 20 रुपए है।

रेलवे स्टेशन का एस्केलेटर फिर बंद, भारी सामान के साथ यात्रियों की बढ़ी परेशानी

बारिश में प्लेटफार्म पर टपक रहा पानी, सुधार कार्य हुआ शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे स्टेशन का एस्केलेटर एक बार फिर बंद हो गया है, जिससे यात्रियों को भारी सामान लेकर प्लेटफॉर्म तक आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नियमित मेंटेनेंस के बावजूद एस्केलेटर में लगभग हर महीने तकनीकी समस्या सामने आ रही है। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे भी एस्केलेटर बंद मिला। इसके कारण यात्रियों को सामान के साथ सीढ़ियों का उपयोग करना पड़ा। बताया जा रहा है कि तेज बारिश के बाद से यह समस्या अधिक देखने को मिल रही है।

प्लेटफॉर्म पर अब भी टपक रहा पानी

तेज बारिश के बाद स्टेशन परिसर में कई जगह अव्यवस्था की स्थिति बनी थी। जिन स्थानों से प्लेटफॉर्म पर पानी आ रहा था, वहां मरम्मत का कार्य कराया गया है। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म की कुछ जगहों पर, जहां यात्री बैठते हैं, अब भी पानी टपक रहा है। तेज बारिश में बैठना मुश्किल होता है।

आवारा कुत्तों का आतंक बरकरार

रेलवे स्टेशन पर आवारा कुत्तों को पकड़ने की कार्रवाई के बावजूद प्लेटफॉर्म पर उनकी मौजूदगी कम नहीं हुई है। सभी प्लेटफॉर्म पर आवारा कुत्ते देखे जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि वे पटरियों के रास्ते भोजन की तलाश में सीधे प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहे हैं।

नकटी के पीड़ितों के समर्थन में कांग्रेसियों का विरोध-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दोंदे मंडल कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को बाजार चौक में सम्मानपुर-नकटी गांव के पीड़ित परिवारों के समर्थन तथा भाजपा सरकार के जनविरोधी निर्णयों के खिलाफ जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरसींवा विधायक अनुज शर्मा का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिलता और जनविरोधी नीतियां वापस नहीं ली जातीं, तब तक संघर्ष और आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने कहा कि जब गरीबों के हक और अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया जाता है, तब जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं का उग्र होकर आवाज उठाना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी बन जाती है। जिस प्रकार नकटी गांव के लोगों का घर उजाड़ा गया है, स्थानीय विधायक अनुज शर्मा को पीड़ितों के साथ खड़ा होना था। चुनाव पूर्व उन्होंने नकटी गांव के वासियों को आश्वासन दिया, सांसद भी दो-दिन पहले तक नहीं टूटने का आश्वासन देते रहे और धोखे में रखकर गुमराह किया गया। ये भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है।

प्रदर्शन करने वालों में मंडल अध्यक्ष घनश्याम वर्मा, पूर्व जनपद अध्यक्ष उत्तरा कमल भारती, जनपद सदस्य भगत बंजारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धरसींवा विधायक का पुतला दहन

नकटी गांव का टेंट हटाने नोटिस जारी

ग्राम नकटी के प्रभावित ग्रामीणों ने गांव में एक टेंट लगा रखा है। इस टेंट को हटाने के लिए सोमवार को तहसील दफ्तर से नोटिस जारी हुआ है। इस नोटिस के जरिए टेंट लगाने वालों को उसे तत्काल हटाने के लिए कहा है, साथ ही नहीं हटाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। इधर कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने नकटी गांव के बेघर हुए 85 प्रभावित परिवारों द्वारा दानदाताओं के सहयोग से लगाए गए अस्थायी पंडाल को हटाने के लिए प्रशासन द्वारा जारी नोटिस को अमानवीय और असंवेदनशील बताया है।

नोटिस वापस लेने की मांगः *ग्रामीण जिलाध्यक्ष पप्पू बंजारे ने कहा कि पहले गरीबों के आशियाने तोड़ दिए गए और अब उनके सिर छिपाने तथा सामूहिक भोजन की व्यवस्था के लिए लगाए गए अस्थायी पंडाल को भी हटाने का नोटिस दिया है, जो अत्यंत अमानवीय, असंवेदनशील और अन्यायपूर्ण है।*

पेज 11 के शेष

तीन दिन की बारिश के बाद ...

आनंद लेने पहुंचे। भारी बारिश के कारण रायपुर, चंदनीडीह मार्ग पर गाड़ियों की रफ्तार पर जरूर लगाम लगी, लेकिन किसी भी तरह से इस मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित नहीं हुई। भारी बारिश के कारण महादेव घाट में बाढ़ देखने लोग पहुंच रहे थे। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने मौके पर पुलिस बल के साथ एसडीआरएफ की टीम नहीं दिखी। बाढ़ देखने पहुंचे लोग अपने बच्चों के साथ खतरनाक तरीके से सेल्फी लेते दिखे। स्थिति ऐसी थी कि मामूली चूक होने पर सेल्फी लेने वाले गंभीर हादसे का शिकार हो जाते। मौके पर रोक टोक करने पुलिस की टीम नहीं होने से लोग नदी में उतरकर सेल्फी लेते रहे।

जलभराव के कारण नाव नहीं चली : महादेव घाट से ज्यादा जलस्तर एनिकट की तरफ था। नदी में तेज बहाव के कारण सोमवार को नदी में नाविकों ने नाव का परिचालन रोक दिया था। घाट के एक किनारे नाव को खड़ा कर दिया था। मंदिर छोर के घाट में दोपहर बाद बारिश थमने के बाद भारी संख्या में लोग परिवार के साथ बाढ़ देखने पहुंच रहे थे।

ट्रैफिक पुलिस को जारी करनी पड़ी एडवाइजरी : तेज बारिश को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस को चंदनीडीह मार्ग से आवाजाही करने वाले लोगों के लिए एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। नाले के पानी के उफान पर आने तथा मार्ग में तकनीकी कारणों से इस मार्ग पर गाड़ी की रफ्तार कम कर चलाने की सलाह दी गई। साथ ही लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने कहा गया। बारिश के कारण चंदनीडीह के छोटे पुल में पानी का लेवल सड़क के बराबर पहुंच गया था।

सामान्य सभा में फूटा पार्षदों का ...

आयोजित की गई। विशेष सामान्य सभा में महापौर मीनल चौबे ने अफसरों पर जमकर निशाना साधा। महापौर ने कहा कमिश्नर साहब अन्य अफसर पार्षदों के जमीनी संघर्ष को हल्के में न लें। कागजों को दौड़ाने या बंद कमरे में बैठक करने से सुशासन नहीं आता। शहर की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। नालों की सफाई व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। अवैध मकानों व कालोनियों के निर्माण ने बड़ी समस्या खड़ी की है। माना कि हमारे पास मैन पॉवर की कमी है, लेकिन सीमित संसाधनों में क्या कुछ कर सकते हैं, इस पर हमें विचार करना होगा। सभापति सूर्यकांत राठौर ने कहा भारी बारिश के कारण हाल में जो शहर की स्थिति थी, वह किसी से छिपी नहीं है। विशेष सामान्य सभा में पार्षद खुलकर अपनी बात रखें न सिर्फ समस्याएं गिनाएं, बल्कि सुझाव जरूर दें, अधिकारी आपकी बातों को नोट करेंगे।

महापौर ने 6 बिंदुओं पर आयुक्त...

आदेश के बाद उनका वित्तीय अधिकार बहुत कम कर दिया गया है, यह एक गंभीर विषय है। इससे वार्ड विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। जोन वाले हर काम को मुख्यालय पर डाल रहे हैं। इसलिए यह बताया जाए कि निगम प्रशासन का लिखित में क्या प्लान है।

अखबारों का तोरण बनाकर सदन को जलभराव का दिखाया आईना : आकाश तिवारी : नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने शहर में हुई बारिश से जलभराव को लेकर प्रमुख अखबारों के खबरों का तोरण बनाकर सदन में जलभराव का आइना दिखाया। उन्होंने तंज कसा कि रायपुर नगर निगम में 60 पार्षद 11 एल्डरमैन हैं, महापौर भी भारतीय जनता पार्टी से है इसके बाद भी मूलभूत सुविधाओं के लिए विशेष सामान्य सभा बुलानी पड़ रही है। यह शहरी सरकार की विफलता है। जल बोर्ड कहां है उसका कही अता-पता नहीं है। 220 करोड़ के ड्रेनेज सिस्टम का पैसा कब मिलेगा, इसकी क्या कार्य योजना है उसकी जानकारी नेता प्रतिपक्ष ने सदन में मांगी। रामकी कंपनी के द्वारा वार्डों में कचरा उठाने में कोताही को लेकर उन्होंने सवाल किए।

निगम की कार्यप्रणाली पर भाजपा पार्षद दल सचेतक ने उठाए सवाल : नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में भाजपा पार्षद दल सचेतक आशु चंद्रवंशी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सफाई, पानी, बिजली जैसे मूलभूत आवश्यकताओं पर नगर निगम की नीति जनहितैशी होनी चाहिए, न कि ऐसे मामलों पर नगर निगम को एक प्रयोगशाला बनाई जाए। सफाई, निर्माण सहित अन्य व्यवस्था के कर्मचारी लगातार हड़ताल पर जा रहे हैं। आज मूलभूत जरूरत पर नगर निगम की नीति लकवाग्रस्त हो गई है, इसे जल्द ठीक करने की आवयकता है।

इन्होंने ये कहा ...

खगपति सोनी, पार्षद वीरांगना अवंतिबाई वार्ड : मेरे वार्ड के 17 में से 6 बूथ बिजली विहीन है, रेल्वे परिक्षेत्र का बहाना बनाकर यहां स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था अब तक नहीं कराई गई है।लोग मिट्टी तेल वाली चिमनी व दिया जलाकर रहने मजबूर हैं। क्षेत्र के विधायक और महापौर को भी इस समस्या से अवगत कराया है। जिन जगहों पर स्ट्रीट लाइट लगी है वहां की लाइटें बंद थी, हमने पार्षद निधि की राशि से स्ट्रीट लाइट लाइट लगाकर लोगों के लिए प्रकाश की व्यवस्था की।

अंजलि-जितेंद्र गोलछा, मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड : श्रीराम मैदान में सार्वजनिक शौचालय जर्जर हालत है। इसके मरम्मत के लिए 1 साल से फाइल लंबित है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। जोन के अधिकारी फोन नहीं उठाते। नगर निगम जोन 10 क्षेत्र के वार्ड 52 के पार्षद विस्टा सिटी के पास नाला निर्माण नहीं होने से रहवासी इलाकों में जलभराव की समस्या पर चिंता जताई। उनका कहना है नगर नगम को करोड़ों रुपए टैक्स जोन 10 से मिलता है इसके बाद भी 7 लाख के नाला निर्माण की फाइल इसलिए लटका दी कि फंड नहीं है। इसी तरह अमलीडीह,देवपुरी,क्षेत्र में तालाब की सफाई नहीं होने पर उन्होंने शिकायत की। मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड पार्षद अर्जुमन ढेबर ने सदन में सवाल किया कि शहर में कितने बड़े नालों की सफाई अब तक पूरी हो गई, सड़क पर गड्ढा कब तक भरा जाएगा। जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र के लिए क्या तैयारी नगर निगम ने की है? चर्चा में वीर सावरकर वार्ड पार्षद संदीप साहू, भाजपा पार्षद दल सचेतक आशु चंद्रवंशी, कृतिका जैन, जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, गज्जू राम साहू, प्रीतम ठाकूर, मुरली शर्मा, श्वेता विश्वकर्मा, रेणु -जयंत साहू, विनय निर्मलकर, राजेश गुप्ता, प्रमोद साहू, राजेश देवांगन, अर्जुन यादव, महेश ध्रुव सहित अन्य पार्षदों ने भी अपने वार्ड की समस्या प्रमुखता से रखी ।

छोटे भाई की संदिग्ध मौत का...

इस घटना से सदमे में था और मौत की असली वजह जानना चाहता था। इसके बाद उनकी मुलाकात परिचितों के माध्यम से नरेंद्र नयन शास्त्री से हुई।

एसयूवी कार मिलने पर भाई को वापस लाने दिया झांसा : डॉक्टर के आरोपों के मुताबिक मई 2025 में बाबा अपने दो शिष्यों के साथ नोएडा आया और दावा किया कि विशेष साधना से उनके भाई को वापस लाया जा सकता है। इसके बाद उसने कहा कि पूजा तभी पूरी होगी, जब उसे नई महिंद्रा एसयूवी-700 मॉडल की कार उपलब्ध कराई जाए। बाबा के दबाव और भय दिखाने पर रायपुर से कार की बुकिंग कराई गई। कार लेने के बाद बाबा ने डॉक्टर तथा उनके परिवार को विशेष पूजा करने इंदौर बुलाया। इसके बाद वह खुद वहां नहीं पहुंचा और अपने मोबाइल बंद कर दिया।

बिजनेस साइट

कुशालपुर में अनंतरा मार्ट की नई शाखा का हुआ भव्य शुभारंभ, ग्राहकों के लिए आकर्षक छूट

रायपुर। शहर के तेजी से विकसित हो रहे कुशालपुर क्षेत्र में सुपर मार्केट चेन अनंतरा मार्ट की नई शाखा का शुभारंभ हुआ। संस्थान के संचालक आकाश जैन एवं सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई शाखा शुरू की गई है, जहां दैनिक उपयोग के सभी घरेलू उत्पाद किफायती दरों पर उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि अनंतरा मार्ट की शाखाएं पहले से गोल्डन टावर बोरियाखुर्द, भाटागांव, शैलेंद्र नगर और बेमेतरा में संचालित हैं। संस्थान के अनुसार ग्राहकों को एमआरपी पर 7 से 70 प्रतिशत तक की छूट, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तथा वर्षभर आकर्षक ऑफर्स का लाभ मिलेगा। भुगतान के लिए सभी प्रमुख क्रेडिट-डेबिट कार्ड और यूपीआई की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही होम डिलीवरी सेवा भी शुरू की गई है। शुभारंभ के अवसर पर आशीर्वाद चक्की आटा, वाघ बकरी प्रीमियम लीफ टी, अमृत आनंदम राइस ब्रैन ऑयल, एवरेस्ट मसाले सहित कई उत्पादों पर विशेष छूट दी जा रही है।

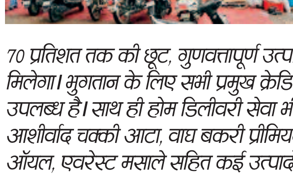

लिटिल मिलेनियम में 'मानसून फेस्ट 2026' आयोजित, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रायपुर। शैलेंद्र नगर स्थित लिटिल मिलेनियम में 'मानसून फेस्ट 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों और उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान केक डेकोरेशन, फैशन वॉक, व्हील ऑफ फॉर्च्यून, मजेदार गेम्स सहित कई रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया, वहीं अभिभावकों ने भी बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर इस आयोजन को यादगार बनाया। कार्यक्रम में आयोजित लकी ड्रॉ के विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास और रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देते हैं।

कोलंबिया ग्लोबल स्कूल में 'मेरा समय, मेरा शरीर, मेरी सीमाएं' विषय पर जागरूकता सत्र

रायपुर। कोलंबिया ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए 'मेरा समय, मेरा शरीर, मेरी सीमाएं' विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आत्मसम्मान, व्यक्तिगत सुरक्षा, स्वस्थ आदतों और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। सत्र का संचालन काउंसलर, शिक्षिका एवं प्रशिक्षिका पूजा प्रधान ने किया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की पहचान, व्यक्तिगत सीमाओं का सम्मान करने तथा आवश्यकता पड़ने पर विश्वसनीय वयस्कों से सहायता लेने के महत्व की जानकारी दी। साथ ही स्क्रीन टाइम के संतुलित उपयोग, समय के सदुपयोग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। अभिभावकों को बच्चों के साथ खुला संवाद बनाए रखने तथा उनके भावनात्मक एवं मानसिक विकास में सहयोग देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर रविंदरसिंह हूरा, जनप्रगति एजूकेशन सोसाइटी के सचिव हरजीत सिंह हूरा, प्राचार्य आईवन स्मिथ, समन्वयक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

आशीर्वाद टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर बना निसंतान दंपतियों के लिए भरोसेमंद केंद्र

रायपुर। डंगनिया स्थित आशीर्वाद टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर प्रजनन चिकित्सा एवं आईवीएफ सेवाओं के क्षेत्र में अपनी आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ उपचार के कारण प्रदेश का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। सेंटर में आईवीएफ, आईयूआई, आईसीएसआई, प्री-इम्प्लांटेशन जेनेटिक टेस्टिंग, डीएनए फ्रेगमेंटेशन टेस्ट, एग, स्पर्म एवं एम्ब्रियो फ्रीजिंग जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं। अत्याधुनिक मॉड्यूलर आईवीएफ लैब, आधुनिक एम्ब्रायोलॉजी प्रयोगशाला तथा नवीनतम मशीनों के माध्यम से पुरुष एवं महिला बांझपन की जांच और उपचार किया जाता है। संस्थान किफायती पैकेज और किस्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। सेंटर की डायरेक्टर डॉ. नलिनी मढ़रिया ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य प्रत्येक दंपति को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और वैज्ञानिक उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों की टीम के सहयोग से हजारों दंपतियों को माता-पिता बनने का सुख मिल चुका है। छत्तीसगढ़ सहित मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और झारखंड से भी बड़ी संख्या में मरीज यहां उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

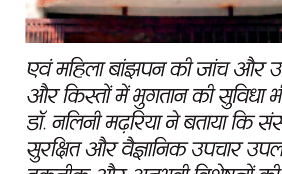

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

सरकार को वादा याद दिलाने के लिए अब सहायक शिक्षक 15 को घेरेंगे विधानसभा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ने लंबित मांगों को पूरा करवाने और सरकार को वादा याद दिलाने के लिए अब 15 जुलाई को विधानसभा घेराव करने का निर्णय लिया है। यह सहमति रविवार को चार घंटे चली मैराथन बैठक में बनी। सोमवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राठौर ने बताया कि फेडरेशन मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव करते हुए सरकार को शिक्षकों से किए गए वादों की याद दिलाएगा। आंदोलन का उद्देश्य शिक्षकों की जायज मांगों को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है।

साहू समाज ने संगठनात्मक विस्तार की बनाई कार्ययोजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र साहू की अध्यक्षता में सोमवार को भामाशाह छात्रावास, टिकरापारा में महिला एवं युवा प्रकोष्ठ की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू ने बताया की युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशिकांत साहू एवं महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश संयोजिका दिव्या कल्हियारी साहू के नेतृत्व में बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र साहू ने कहा, युवा किसी भी समाज की रीढ़ हैं तथा नारी शक्ति समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। इनकी सक्रिय भागीदारी से संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा समाज के विकास को नई गति मिलेगी। प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू ने बताया कि बैठक में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, विस्तार अभियान एवं विभिन्न प्रकोष्ठों को दायित्व सौंपने की कार्ययोजना तैयार की गई। आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा विभिन्न प्रकोष्ठों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही युवा, महिला एवं अन्य प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को दायित्व सौंपने एवं संगठन को ग्राम, नगर, परिक्षेत्र तहसील, जिला एवं प्रदेश स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने की कार्ययोजना बनाई गईं।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया नमन

रायपुर । सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयन्ती पर राजधानी वासियों ने याद किया। जीई रोड शारदा चौक किनारे स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर नगर निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में पुष्पांजलि का आयोजन किया गया। जिसमें वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, छग राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकु संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी सहित गणमान्यजनों ने डॉ. मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया।

मंडल के 13 स्टेशनों में नई सिग्नल व्यवस्था के लिए 226 करोड़ मंजूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भारतीय रेलवे ने ट्रेन यात्रा को और अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल अंतर्गत आने वाले दुर्ग-ताडोकी रेलखंड के 13 स्टेशनों पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, ईआई प्रणाली लगाने के लिए 226 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। वर्तमान में इन सभी स्टेशनों पर पुरानी पैनल इंटरलॉकिंग, पीआई प्रणाली काम कर रही है, जिसे अब नई तकनीक से बदला जाएगा। इस बदलाव से इस महत्वपूर्ण रेल रूट पर सिग्नल व्यवस्था का तेजी से आधुनिकीकरण होगा और ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से सुरक्षित व तकनीक-आधारित हो सकेगा।

अब हाईटेक सिग्नल सिस्टम से और सुरक्षित होगा सफर

फाइल फोटो

■ दुर्ग-ताडोकी रेलखंड पर पैनल की जगह लगेगी अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली, ट्रेनों की लेटलतीफी से मिलेगी राहत

13 स्टेशनों का होगा आधुनिकीकरण

रेलवे द्वारा स्वीकृत इस परियोजना के तहत रायपुर मंडल के दुर्ग-ताडोकी खंड पर स्थित जिन 13 स्टेशनों पर नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी, उनमें मारौदा, रिसमा, गुंडरदेही, लाटाबोर, बालोद, कुसुमकासा, दल्लीराजहरा, गुदुम, भानुप्रतापपुर, केवटी, अंतागढ़, ताडोकी और रायपुर स्टोर डिपो (आरएसडी) शामिल हैं। इन सभी स्टेशनों पर पुरानी प्रणाली को हटाकर नई तकनीक लगाए जाने से पूरे सेक्शन में रेल परिचालन की दक्षता और विश्वसनीयता में जबरदस्त सुधार देखने को मिलेगा।

यात्रियों को मिलेंगे बेहतर सुरक्षा और समय की पाबंदी के फायदे

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली एक अत्याधुनिक सिग्नलिंग तकनीक है, जो उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ रूट तय करने और सिग्नल देने के काम को पूरी तरह स्वचालित, ऑटोमैटिक बना देती है। इस उन्नत प्रणाली के लागू होने से सिग्नल फेल होने की आशंका बेहद कम हो जाएगी और यदि कभी कोई तकनीकी बाधा आती भी है, तो उसे बहुत तेजी से ठीक किया जा सकेगा। इससे ट्रेनें बेवजह रास्तों पर नहीं रुकेंगी, जिससे उनकी समय की पाबंदी में बड़ा सुधार होगा और यात्री समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। साथ ही, यह परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नेटवर्क पर भविष्य में बढ़ने वाले यात्री और मालगाड़ियों के भारी ट्रैफिक को सुरक्षित रूप से संभालने के लिए एक मजबूत तकनीकी आधार प्रदान करेगी।

पेयजल बड़ी समस्या, इससे निपटने की जरूरत

बृजमोहन बोले- सभी सरकारी भवनों में वॉटर हार्वेस्टिंग करना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक हुई। सांसद ने बैठक में पेयजल व्यवस्था पर फोकस करते हुए कहा कि पेयजल की समस्या गंभीर है, इसलिए सभी शासकीय स्कूलों, शासकीय दफ्तरों, थानों एवं आंगनबाड़ियों में वॉटर हार्वेस्टिंग की जाए। उन्होंने कहा कि देशभर से प्रशिक्षित लोगों को बुलाकर इस पर कार्यशाला आयोजित किया जाए। उन्होंने पुराने तालाबों को संरक्षित तथा जिन गांवों में तालाब नहीं हैं, वहां नए तालाब बनाने के भी निर्देश दिए। बैठक में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, मोतीलाल साहू, कलेक्टर गौरव सिंह सहित सभी विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास भवन में हुई बैठक में सांसद ने खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के जिन हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूर्ण हो चुकी है, उन्हें कनेक्शन देने की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि रायपुर शहर की जनसंख्या बढ़ गई है। इसे देखते हुए शहर के आउटर क्षेत्रों में नई गैस एजेंसियां खोलने के प्रस्ताव ऑयल कंपनियों को भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि भूमि अधिकार पत्र का सभी विधानसभा क्षेत्रों में वितरण किया जाए एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में जिन हितग्राहियों की दूसरी एवं तीसरी किश्त लंबित है, उसकी प्रक्रिया जल्द पूर्ण की जाए।

शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए बनाएं प्रस्ताव

उन्होंने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां शिक्षकों के पद रिक्त हैं, उनके प्रस्ताव बनाएं ताकि शिक्षकों की भर्ती के लिए शासन को पत्र भेजा जा सके। जहां पुस्तक एवं गणवेश का वितरण नहीं हुआ है, वहां जल्द उपलब्ध कराया जाए। राजधानी के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में स्किल डेवलपमेंट के लिए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं ताकि रायपुर के औद्योगिक विकास को देखते हुए दक्ष मानव संसाधन तैयार किया जा सके।

■ दिशा समिति की बैठक में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक भी हुए शामिल

प्रत्येक गांव में 5 कुएं खुदवाने के निर्देश

ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को देखते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में 4 से 5 कुएं खुदवाने के निर्देश दिए है। इसके लिए दक्षिण भारत से कुएं खोदने वाले विशेषज्ञों को सहयोग के लिए बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि वेटलैंड में आने वाले प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के लिए कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन आंगनबाड़ियों में आवश्यकता है, वहां पेयजल की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि शहर के सभी मुक्तिधामों में पेयजल के लिए हैंडपंप तथा अन्य व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि जो सड़कें खराब हो गई हैं, और जिन सड़कों को जोड़ा जाना है, उनका प्रस्ताव बनाकर प्रेषित किया जाए।

जल जीवन मिशन में 22 सौ करोड़ का भुगतान अटका, नीर भवन घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जल जीवन मिशन में 22 सौ करोड़ रुपए से ज्यादा का दो साल से लंबित भुगतान नहीं होने से नाराज ठेकेदारों ने सोमवार को नीर भवन का घेराव कर धरना दिया। प्रदर्शन में राज्य के अलग-अलग जिलों के सैकड़ों की संख्या ठेकेदार शामिल होने के लिए पहुंचे। प्रदर्शन छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी। प्रदर्शन के कारण आकाशवाणी चौक से लेकर पीडब्लूडी चौक तक सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक जाम की स्थिति रही।

छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष बिरेश शुक्ला के अनुसार राज्य में जल जीवन मिशन के तहत 22 सौ करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत है। पूर्व में स्वीकृत कार्य पूरा होने के दो साल बाद भी ठेकेदारों को भुगतान नहीं किया गया है। हाल में तीन हजार करोड़ रुपए के और कार्य पूरा किया जा चुका है, जिसका बिल बनना अभी बाकी है। कांट्रेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि बजट नहीं होने से तीन हजार करोड़ रुपए का बिल अब तक नहीं बन पाया है। सरकार छह महीने में हर घर जल का लक्ष्य पूरा करना चाहती है। भुगतान नहीं होने से हर घर जल पहुंचाने का लक्ष्य छह महीने के भीतर पूरा नहीं हो सकता। भुगतान नहीं होने से ठेकेदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और ऋण लेकर काम करने मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कर्ज से परेशान एक ठेकेदार ने खुदकुशी कर ली। काट्रेक्टर एसोसिएशन ने मांग पूरी नहीं होने पर ठेकेदारों ने पांच दिवसीय धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

गांधी सदन के सामने काले कपड़े पहनकर निगम ठेकेदारों का प्रदर्शन

■ लगाया आरोप- बिना चढ़ावा के फाइल आगे नहीं बढ़ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम ठेकेदार संघ के आव्हान पर 7 सूत्रीय मांगों को लेकर नगर निगम के ठेकेदारों ने विशेष सामान्य सभा से पहले महात्मा गांधी सदन के मुख्य गेट के सामने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान लंबित बिल भुगतान में देर और नगर निगम प्रशासन के वादा खिलाफी को लेकर ठेकेदारों ने जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचे ठेकेदारों का कहना है कि सामान्य मद से 7 करोड़ का भुगतान महीनों से लंबित है। इसी तरह अन्य मद में भी करीबन 2.5 करोड़ रुपए का भुगतान प्रक्रिया में होने से ठेकेदारों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबित भुगतान की अनदेखी को लेकर ठेकेदार संघ ने निगम प्रशासन का ध्यान विरोध प्रदर्शन कर आकर्षित कराया।

मुख्य विद्युत निरीक्षक की एसओपी का पालन अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में लिफ्ट और एस्केलेटर की सुरक्षा को लेकर अब नगरीय निकाय सक्रिय हो गए हैं। मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और एडवाइजरी के पालन को सुनिश्चित करने के लिए रायपुर सहित प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगरपालिकाओं ने अपने-अपने क्षेत्र के सभी लिफ्ट संचालित संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, मॉल, होटल, शैक्षणिक संस्थानों और बहुमंजिला भवनों को नोटिस जारी किए हैं। इनमें लिफ्ट संचालन से जुड़े सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय ने राज्य शासन से प्राप्त अधिकारों के तहत लिफ्ट, एस्केलेटर तथा अन्य संबंधित उपकरणों के पंजीयन, स्थापना, निरीक्षण, अनुरक्षण और संचालन के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। नगरीय निकायों ने इसी के आधार पर भवन संचालकों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा है।

पंजीयन और निरीक्षण अनिवार्य

एसओपी के अनुसार किसी भी परिसर में स्थापित लिफ्ट अथवा एस्केलेटर का पंजीयन कराना आवश्यक है। लिफ्ट का कमीशनिंग कार्य पूरा होने के बाद उसके उपयोग से पहले मुख्य विद्युत निरीक्षक को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सूचना देना होगी। यदि पहले से स्थापित लिफ्ट में कोई बड़ा परिवर्तन या संशोधन किया जाता है तो उसका नया पंजीयन भी कराना होगा।

नियमित मेंटेनेंस की रहेगी जिम्मेदारी

निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि लिफ्ट के स्वामी या संचालक की जिम्मेदारी होगी कि उसका नियमित अनुरक्षण कराया जाए। इसके लिए मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) अथवा अधिकृत सेवा प्रदाता से वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (एएमसी) कराया जाना चाहिए।

जूनियर डाक्टरों ने मांगी ज्यादा शिष्यवृति, सीएम को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के जूनियर डाक्टरों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपकर स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग की है। इसके अलावा बांड सेवा नीति में संशोधन करने और समय पर पोस्टिंग देने जैसी मांग की है। जूनियर डाक्टरों ने तर्क दिया है कि अन्य राज्यों को तुलना में छत्तीसगढ़ में शिष्यवृति काफी कम है जिससे निराशा का माहौल बढ़ रहा है। मानदेय भी सम्मानजनक नहीं होने की वजह से डाक्टर पलायन करने को मजबूर होते हैं। मेडिकल कालेज में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान जूनियर डाक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.पीयूष श्रीवास्तव के नेतृत्व में चिकित्सा छात्रों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्यमंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मुलाकात की। उन्होंने सौंपे ज्ञापन में तर्क दिया है कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था मेडिकल इंटर्न, जूनियर एवं सीनियर रेजिडेंट चिकित्सकों के निरंतर परिश्रम पर आधारित है। ये चिकित्सक 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं, आईसीयू, ट्रॉमा सेंटर, ऑपरेशन थिएटर, वार्ड, ओपीडी, आईपीडी तथा मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण एवं अनुसंधान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का दायित्व निभाते हैं। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ में चिकित्सकों का स्टाइपेंड एवं मानदेय देश के अनेक राज्यों की तुलना में काफी कम है।

एक्सपायरी मिल्क पावडर, एफडीए से सीएमएचओ ने मांगी जांच रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ बच्चे के लिए मिल्क पावडर खरीदा था, जिसे पीने के बाद नवजात की मृत्यु हो गई थी

एक्सपायरी मिल्क पावडर मामले में जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम से जांच रिपोर्ट मांगी है। आंबेडकर अस्पताल में नवजात की मौत के बाद परिजनों ने मेडिकल स्टोर्स से खरीदे गए मिल्क पावडर को इसकी वजह होने का आरोप लगाया था। मामले की शिकायत सीएमएचओ के साथ पुलिस से भी की गई थी।

दलदल सिवनी में रहने वाले कन्नौजे परिवार ने आरोप लगाया था कि उन्होंने लक्ष्मी मेडिकल हॉल से बच्चे के लिए मिल्क पावडर खरीदा था, जिसे पीने के बाद नवजात की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में सीएमएचओ डा. मिथिलेश चौधरी ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों को संयुक्त टीम बनाकर दवा दुकान की जांच करने और मामले से संबंधित रिपोर्ट बनाकर शीघ्र सौंपने के निर्देश दिए हैं। इधर पुलिस ने भी दवा दुकान संचालक को मिल्क पावडर बिक्री वाले तिथि का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने निर्देशित किया है। इस मामले में आने वाले दिनों में पुलिस और एफडीए की टीम आने वाले दिनों में दवा दुकान जाकर इस मिल्क पावडर से खरीदी-बिक्री से संबंधित जांच करेगी। अधिकारियों के मुताबिक अगर मामले में किसी तरह की लापरवाही साबित होती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरिभूमि
रायपुर, मंगलवार 7 जुलाई 2026
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

शिक्षा से वंचित न हों दिव्यांग बच्चे...

सिटी इवेंट

एनआईटी में जुटे देश-विदेश के विशेषज्ञ क्वांटम-एआई तकनीक पर मंथन शुरू

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में नेक्स्ट-जेन क्वांटम इंटेलिजेंस एआई फॉर नेटवर्क ऑप्टिमाइजेशन एंड एंटैंगलमेंट विषय पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन (स्पार्क) द्वारा प्रायोजित यह कार्यशाला एनआईटी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर जतोथ और द यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के प्रो. राजकुमार बुय्या के नेतृत्व में संचालित प्रतिष्ठित सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना के तहत आयोजित की जा रही है।इस उच्च स्तरीय उद्घाटन समारोह में आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. संजीव पराशर मुख्य अतिथि के रूप में और एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रो. एन. वी. रमना राव मुख्य संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, द यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के रेडमंड बैरी डिस्टिंग्विश्ड प्रोफेसर प्रो. राजकुमार बुय्या और आईआईटी खड़गपुर से स्पार्क सदस्य डॉ. तिताश मोंडल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

70 से अधिक शोधार्थियों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

अपने संबोधन के दौरान गणमान्य अतिथियों ने क्वांटम प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों को आगे बढ़ाने में अंतर-विषयक अनुसंधान, वैश्विक नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त पहल उन्नत कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम तकनीकों के क्षेत्र में अनुसंधान के प्रति एनआईटी के बढ़ते नेतृत्व और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। इस पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला को देशभर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें एनआईटी रायपुर, विभिन्न आईआईटी, एसएसआईटी, सीएमआरआईटी और देश के कई अन्य प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और छात्रों सहित 70 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

तकनीकी चर्चा से दिया जाएगा प्रशिक्षण

तकनीकी सत्रों के दौरान प्रतिभागियों को विशेषज्ञ व्याख्यानों, व्यावहारिक प्रशिक्षण (हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग) सत्रों और तकनीकी चर्चाओं के माध्यम से गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के पाठ्यक्रम में क्वांटम इंटेलिजेंस के अत्यंत महत्वपूर्ण और उभरते विषय शामिल किए गए हैं, जिनमें क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, क्वांटम एंटैंगलमेंट, नेटवर्क ऑप्टिमाइजेशन के लिए एआई, ग्राफ न्यूरल नेटवर्क और आईओटी-सक्षम क्वांटम नेटवर्क मुख्य रूप से शामिल हैं। उद्घाटन समारोह का समापन औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन, राष्ट्रगान और सामूहिक चित्र (ग्रुप फोटो) के साथ हुआ।

लाइव इवेंट

हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने ई-सुविधा केंद्र प्रारंभ

रायपुर। हज यात्रियों की सुविधा के लिए बैरन बाजार स्थित हज कमेटी कार्यालय में ई हज सुविधा केंद्र प्रारंभ किया गया है।इस केंद्र में निःशुल्क ऑनलाइन हज आवेदन फॉर्म भरने की सुविधा प्रारंभ की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने सोमवार को बताया कि हज 2027 के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया इन दिनों जारी है। ऑनलाइन हज फॉर्म भरने के लिए बहुत से लोगों को परेशानी होती है, निर्धारित समय सीमा में फॉर्म भरना ज़रूरी होता है। ऐसे में हज यात्रियों की सुविधा को देखते हुए ई हज सुविधा केंद्र की सुविधा संचालित किया गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज 2027 के ऑनलाइन हज फॉर्म भरने की आखरी तारीख 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। हज आवेदकों के पास 31 दिसंबर 2027 तक की वैधता युक्त पासपोर्ट होना अनिवार्य है। उन्होंने हज 2027 में जाने के इच्छुक आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित अंतिम दिनांक के पूर्व अपना ऑनलाइन हज आवेदन भरने की प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

हज कमेटी में एक विशेष काउंटर भी

ऑन लाइन फॉर्म भरने के लिए कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी में एक विशेष काउंटर बनाया गया है, आवश्यक दस्तावेज के साथ हज फॉर्म भरने के इच्छुक आवेदकगण उपस्थित हो सकते हैं। अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन हज फॉर्म भरने के लिए कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी, मुखर्जी बड़ा बैरन बाजार रायपुर से संपर्क किया जा सकता है।

● बारिश के मौसम में फिट रहने फिटनेस एक्सपर्ट से इंडोर एक्सरसाइज की ले रहे सलाह

फिटनेस लवर्स घर पर ही सिंपल वर्कआउट से खुद को बना रहे फिट

मानसून के मौसम में बारिश के कारण अक्सर लोग मॉर्निंग या इवनिंग वॉक पर नहीं जा पाते। कई बार तो न चाहते हुए भी जिम की छुट्टी करनी पड़ जाती है। ऐसे में अगर जिम के वर्कआउट को मिस करते हैं तो पुशअप्स, रस्सी जंप, साफ-सफाई, सीढ़ियां चढ़ना-उतरना बिना किसी खतरे के सिंपल वर्कआउट के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। यह कहना है शहर के जाने-माने फिटनेस एक्सपर्ट्स अभय राजपूत का। उन्होंने बताया कि उनसे लोग बारिश में जिम या आउटडोर एक्सरसाइज मिस होने पर फिट रहने इंडोर एक्सरसाइज ऑप्शन पूछते हैं तो उन्हें कुछ घरेलू सामान की मदद से घर पर ही टेम्परारी जिम तैयार करने की सलाह देता हूं।

रायपुर। घर पर जिम तैयार करना बिल्कुल आसान है, बिना किसी बड़े खर्च के इसे तैयार कर सकते हैं। इन घरेलू जिम इक्विपमेंट्स के तौर पर इस्तेमाल करके खुद को फिट रख सकते हैं। इस तरह से बारिश के मौसम में घर पर भी फिट रहने के लिए इंडोर एक्सरसाइज की सलाह फिटनेस एक्सपर्ट के तौर पर देते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बॉडीवेट एक्सरसाइज में स्क्वैट्स, पुशअप्स, लंज, प्लैंक, और क्रंचेस जैसे व्यायाम कर सकते हैं। वहीं कार्डियो के लिए रस्सी कूदना, इंडोर साइकिलिंग एवं योग लाभकारी है। अगर स्ट्रेचिंग की बात करें तो स्ट्रेचिंग से शरीर को लचीला बनाए रखने में मदद मिलती है। हाइड्रेटेड रहें, खूब पानी पिएं, घर की साफ-सफाई, डस्टिंग, मॉपिंग, सीढ़ियां चढ़ना-उतरना जैसे काम करके घर पर ही फिट रहा जा सकता है।

रस्सी से स्क्वॉट व इनवर्टेड बॉडीवेट

कपड़े सुखाने वाली मजबूत रस्सी का उपयोग आप होम जिम में वर्कआउट के लिए कर सकते हैं। सस्पेंशन ट्रेनर के लिए जिस रस्सी का उपयोग किया जाता है, उसकी लंबाई आठ फीट होनी चाहिए। छत या यार्ड पर एक मजबूत होल्डिंग प्वॉइंट ढूंढ़ें और रस्सी के छोर को उसमें बांध दें, उससे स्क्वॉट या इनवर्टेड रोज या फिर प्लंज ट्राय करें।

हैंड टॉवल से माउंटेन क्लाइमर्स जैसी एक्सरसाइज

जिम में आप जिन एक्सरसाइज के लिए स्लाइडर का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें घर पर हैंड टॉवल की मदद से कर सकते हैं। इसके लिए आप एक जोड़ी हैंड टॉवल लें और टॉवल को फर्श पर रखकर हाथों या पैरों के नीचे दबाकर पाइक्स, नी-टक्स या फिर माउंटेन क्लाइमर्स जैसी एक्सरसाइज करें।

कार्डियो एक्सरसाइज के लिए सीढ़ियों का उपयोग

घर पर ट्रेड मिल की कमी को दूर करने और कार्डियो के लिए आप सीढ़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। सीढ़ियों का इस्तेमाल कर आप पैरों की एक्सरसाइज करें। इस दौरान अपनी स्पीड और काउंटिंग पर ध्यान देना न भूलें। बेहतर होगा कि शुरुआत में आप धीमी स्पीड के साथ सीढ़ियां चढ़ें व उतरें, तब आपके पैर सेट हो जाएं तो धीरे-धीरे अपनी स्पीड बढ़ाएं।

बारिश के मौसम में कूल-स्टाइलिश दिखने कॉलेज स्टूडेंट्स अपडेट कर रहे वॉर्डरोब

रायपुर। कॉलेज जाने वाली लड़कियां अक्सर ऐसे आउटफिट्स की तलाश में रहती हैं, जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ पूरे दिन पहनने में आरामदायक भी हों। ऐसे में वह डेली कॉलेज लुक को अपग्रेड कर रही हैं। इसके लिए इंडो-वेस्टर्न कुर्ती टॉप्स, वाइड लेग जींस, स्ट्रेट फिट जींस और पलाजो गर्ल्स की पहली पसंद बनी हुई है। वह कॉलेज, कैफे डेट, फ्रेंड्स मीट-अप या कैजुअल आउटिंग, हर मौके पर ये आउटफिट्स से खूद को स्टाइलिश दिखा रही हैं। वहीं वाइड लेग या स्ट्रेट फिट जींस के साथ इन टॉप्स को पेयर कर रह रहे हैं। गर्ल्स ऑक्सिडाइज्ड झुमके या छोटे हूप ईयररिंग्स पहनना कंफर्ट समझती हैं। सूज में स्नीकर्स, फ्लैट्स या ब्लॉक हील्स चुन रहे हैं। मेकअप में मिनिमल मेकअप और पर्स व बैग में स्लिंग बैग या टोट बैग से स्टाइलिश लुक को संवार रहे हैं। बारिश के मौसम में कूल और स्टाइलिश दिखने के लिए कॉलेज गर्ल्स अपनी वॉर्डरोब अपडेट करने में लगे हैं। इस साल मानसून फैशन में ब्राइट और नियॉन कलर्स के साथ-साथ हवादार और क्विक-ड्राई यानी जल्दी सूखने वाले कपड़े ट्रेंड कर रहे हैं।

छात्राएं फैशन प्रेजेंटेशन को लेकर तैयार

गर्ल्स के लिए फैशन मार्केट में कुछ नया देखने को मिल रहा है। प्रीपी स्टाइल, स्मार्ट बेल्टस, इयररिंग्स, एंक्लेट्स, टो-रिंग, ब्रेसलेट्स, स्मार्ट बेल्ट्स और बिना लैस वाले जूते जैसी एक्सेसरीज की मांग बढ़ रही है। इसकी तैयारी में स्टूडेंट्स के लिए नए लुक में दिखना तो बनता है। कॉलेज में पहली बार कदम रखने वाली छात्राएं अपने फैशन प्रेजेंटेशन को लेकर काफी संजीदा हैं। ऐसे में बरसात के मौसम के अनुरूप मार्केट से अपने जरूरी फैशन सामग्री को कैरी कर रही हैं।

फैशन में स्टेटमेंट एक्सेसरीज का मिश्रण

स्टूडेंट्स के लिए नए लुक में दिखना तो बनता है। फैशन कारोबार व डिजाइनिंग से जुड़े लोगों का कहना है कि 2026 में कॉलेज फैशन में कंफर्टेबल, तकनीक और स्थिरता के साथ-साथ पुरानी यादों और स्टेटमेंट एक्सेसरीज का मिश्रण दिखेगा। इस वर्ष कॉलेज कैंपस का फैशन बोल्ड, चमकीले रंगों और ग्राफिक प्रिंटों वाले कपड़े स्टूडेंट्स को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

हृदय रोग से बचाव के लिए सीपीआर कर दिखाया डेमो

रायपुर। सेव अ लाइफ पहल के अंतर्गत मासिक 'हैंड्स-ओनली सीपीसीआर (कार्डियो पल्मोनरी सेरेब्रल रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। आपातकालीन हृदयाघात की स्थिति में त्वरित जीवनरक्षक सहायता प्रदान करने के प्रति जागरूकता किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, डॉ. उदय कुमार ने सपीसीआर के प्रति जानकारी के टिप्स दिए । डॉ. तनुजा आनंद, डॉ. अमित अग्रवाल एवं डॉ. प्रिया पंकज ने बताया कि एनेस्थीसियोलॉजी सीपीसीआर केवल एक चिकित्सकीय तकनीक नहीं, बल्कि किसी भी व्यक्ति के लिए जीवन बचाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के लोग उपस्थित थे। प्रशिक्षण मैनिकिन पर सीपीसीआर का अभ्यास किया। एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं डीएनबी रेजिडेंट्स ने प्रत्येक प्रतिभागी को सही तकनीक, शरीर की उचित स्थिति तथा प्रभावी चेस्ट कंप्रेशन की विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

दिवंगत लोकगायिका को कमला देवी संगीत महाविद्यालय के स्टूडेंट्स ने किया याद

कार्नर न्यूज

बांसुरिया बिन गइया रोवे...संगीत के विद्यार्थियों ने पद्म विभूषण तीजन बाई को दी स्वरांजलि

रायपुर। कमला देवी संगीत महाविद्यालय के संगीत के छात्र-छात्राओं ने लोक संगीत संध्या में पद्म विभूषण, छत्तीसगढ़ की महान पंडवानी गायिका एवं लोककला की अमर साधिका तीजन बाई को उनके सदाबहार लोकगीतों से भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की लोक सांस्कृतिक परंपरा को समर्पित विभिन्न गीतों एवं पंडवानी की प्रभावशाली प्रस्तुतियां से स्वरांजलि अर्पित कर याद किया। इस अवसर पर विशेष आकर्षण छात्रा गोपिका साहू द्वारा बनाया गया तीजन बाई का अत्यंत सुंदर स्केच चित्र रहा, जिसे मंच पर स्थापित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सभी जनों ने इस उत्कृष्ट कलाकृति की सराहना की। श्रद्धांजलि स्वरांजलि की कड़ी में ममता निषाद ने तीजन बाई को समर्पित छत्तीसगढ़ी गीत महाभारत के गाथा ल पंडवानी म सुनाइस, देश-विदेश म जाके नांव ल कमाइस, प्रस्तुत कर वातावरण को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात गोपिका साहू ने मार्मिक छत्तीसगढ़ी लोकगीत बांसुरिया बिन गइया रोवे... प्रस्तुत किया। मिली चंद्राकर ने पारंपरिक मृत्यु संस्कार से संबंधित खेड़ी गीत चल-चल हंसा अमर लोक जाबो... गाकर श्रोताओं की आंखें नम कर दीं।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बनी

कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक बेडेकर ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने तीजन बाई के साथ जुड़े अपने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने प्रारंभिक मंचीय जीवन में रायपुर के रंग मंदिर तथा संगीत महाविद्यालय से प्राप्त अवसरों को सदैव स्मरण रखा और अपने गुरुओं तथा प्रारंभिक सहयोगियों के प्रति जीवनभर कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि तीजन बाई केवल एक महान कलाकार ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और लोकपरंपरा की सशक्त प्रतीक थीं। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक श्रद्धांजलि एवं तीजन बाई के अमर योगदान के स्मरण के साथ हुआ। संपूर्ण वातावरण उनकी स्मृतियों, लोकसंगीत और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से ओतप्रोत रहा।

पंडवानी की जीवंत प्रस्तुति से मोहा मन

मन साहू ने तीजन नाम धर हों दीदी... गीत प्रस्तुत कर लोकगायिका के संघर्ष, साधना और उपलब्धियों को स्वर दिए। वर्षा चतुर्वेदी ने दिनचरिया नैहरवा मां खेल ली हो दिनचरिया... तथा प्रीति साहू ने एक मधुर छत्तीसगढ़ी लोकगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया। कार्यक्रम का सबसे भावपूर्ण क्षण तब आया, जब राधिका यादव ने तीजन बाई की विशिष्ट शैली में पंडवानी की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में तबले पर हरि पटेल ने प्रभावी संगत दी। हारमोनियम पर प्रीति साहू, एवं नितिन लूनिया ने मधुर संगत कर सभी प्रस्तुतियों को सशक्त आधार प्रदान किया।

समाज लाइव

सर्वोदय शांति पदयात्रा पहुंची रायपुर विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

रायपुर। सर्वोदय शांति पदयात्रा गोरखपुर, बनारस, जबलपुर और कवर्धा से होते हुए रायपुर पहुंची। यात्रा का उद्देश्य सभी धर्मों के अनुयायियों को अहिंसामय जीवन, धर्म, ध्यान, तप, त्याग और तपस्या के महत्व से प्रेरित करना है। सोमवार को सर्वोदय शांति पदयात्रा के संयोजक श्री मणीभद्र मुनि महाराज एवं श्री श्रमण संघ रायपुर के अध्यक्ष अशोक पटवा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान डॉ. मणीभद्र मुनि और डॉ. रमन सिंह के बीच आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा हुई।चर्चा के दौरान मणीभद्र मुनि ने कबीरधाम के बारे में जानकारी ली। इस पर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ जैन धर्म एवं सनातन धर्म का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1700-1800 ईसा पूर्व के अवशेष, मूर्तियां, हस्तलिपियां, कांस्य पत्र और सिक्के पुरातत्व विभाग में सुरक्षित हैं तथा विभाग समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर सर्वेक्षण भी करता रहता है। उन्होंने इस विषय पर शोध कार्य किए जाने की आवश्यकता भी जताई।

रुद्राक्ष की माला पहनाकर किया सम्मानित

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने 1700 किलोमीटर की पदयात्रा और कठिन तपस्या के साथ रायपुर पहुंचने पर मणीभद्र मुनि के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने संतों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। साथ ही 32 वर्षों से लगातार मासखमण (31 उपवास) करने वाले तपस्वी विजय संचेती का भी शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान मणीभद्र मुनि ने डॉ. रमन सिंह को रुद्राक्ष की माला पहनाकर सम्मानित किया। वहीं, श्री श्रमण संघ रायपुर के अध्यक्ष अशोक पटवा एवं अन्य पदाधिकारियों ने डॉ. रमन सिंह को शाल ओढ़ाकर, माला पहनाकर तथा जैन ग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया।

धर्म लाइव

पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य का 21 से छत्तीसगढ़ प्रवास

रायपुर। सनातन के ध्वजवाहक, राष्ट्र चेतना के प्रणेता और हिंदू समाज को नई दिशा देने वाले अनंत श्रीविभूति पुरी पीठाधीश्वर श्रीजगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का आगमन छत्तीसगढ़ की धरा पर होने जा रहा है। हिंदू राष्ट्र अभियान के अंतर्गत जगद्गुरु शंकराचार्य का यह प्रवास 21 से 25 जुलाई तक रहेगा। इस दौरान वह बिलासपुर मार्ग स्थित रावांभाठा के श्री सुदर्शन संस्थानम में धर्मानुरागियों के बीच धर्मसभा करेंगे। पांच दिवसीय प्रवास के दौरान शंकराचार्य भगवान के श्रीमुख से धर्म, राष्ट्र, संस्कृति, गोसंरक्षण एवं हिंदू राष्ट्र जैसे विषयों पर प्रेरणादायी धर्मसभा भी करेंगे। साथ ही विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेशभर से श्रद्धालु शामिल होंगे। इस गौरवमयी आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पीठ परिषद, आदित्य वाहिनी एवं आनंद वाहिनी की केंद्रीय व प्रांतीय कार्यकारिणी पूरी तन्मयता से जुटी हुई है।

धर्मसभा से सभी वर्गों को जोड़ने के लिए तैयारी

आयोजन समिति की पदाधिकारी सीमा तिवारी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, आनंद वाहिनी), नवनीत तिवारी (प्रदेश अध्यक्ष, पीठ परिषद) एवं आशीष दुबे (प्रदेश अध्यक्ष, आदित्य वाहिनी) ने संयुक्त रूप से बताया कि आचार्यश्री के दर्शन और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। इस महाभियान को सफल बनाने में प्रमुख मार्गदर्शक अवधेश नंदन श्रीवास्तव, ठाकुर सत्येंद्र प्रताप सिंह परमार, उत्तम शर्मा, संजय सिंह, शिव गोविंद सिंह एवं मारुति शर्मा सहित पूरी कार्यकारिणी सक्रिय रूप से अपना योगदान दे रही है। पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के सभी धर्मप्रेमी, श्रद्धालुओं, मातृशक्ति, प्रबुद्धजनों एवं युवा साथियों को धर्मसभा से जोड़ने के लिए प्रयास तेज किया है।

सिटी लाइव

नई कार्यकारिणी को सीख समाज को समय देना जरूरी

रायपुर। समाजसेवा के लिए पहली जरूरत समाज को समय देने की होती है। फिर अपने प्रकल्प अथवा समिति में कुछ ऐसा काम करने की आवश्यकता होती है, जिसे आप सगर्व बता सकें कि आपके कार्यकाल की उपलब्धि है। जिस तरह आपको समाजसेवा में उपलब्धि हासिल करने के लिए दूसरों के मार्गदर्शन और सहयोग की जरूरत होती है, बिल्कुल उसी तरह अपने सहयोगी कार्यकारिणी सदस्यों व समितियों के पदाधिकारियों के लिए हर समय सहयोग करने के लिए तत्पर रहना होगा। महाराष्ट्र मंडल की नई 14 सदस्यीय कार्यकारिणी की पहली बैठक में इस आशय के विचार अध्यक्ष अजय काले ने व्यक्त किए। मंडल की 14 सदस्यीय कार्यकारिणी में छह सदस्य चेतन दंडवते, गीता दलाल, श्याम सुंदर खंगन, परितोष डोनगांवकर, नमिता शेष और मालती मिश्रा महाराष्ट्र मंडल के द्विवार्षिक चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित थे। वहीं अध्यक्ष श्री काले ने दीपक किरवईवाले, विशाखा तोपखानेवाले, आस्था काले, निरंजन पंडित, प्रवीण क्षीरसागर और अजय पोतदार को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया है।

इन सदस्यों को दी गई बड़ी जिम्मेदारी

पहली कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्ष ने व्यवस्था के लिए गीता दलाल को उपाध्यक्ष, चेतन दंडवते को सचिव, मालती मिश्रा और अजय पोतदार को सहसचिव बनाया है। सभी कार्यकारिणी सदस्यों को प्रकल्पों, योजनाओं व कार्यक्रमों का प्रभार भी सौंपा है। गीता दलाल खेल समिति और पर्यावरण समिति का काम देखेंगी। अध्यक्ष काले के साथ चेतन दंडवते आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा के साथ सभी कार्यक्रमों का मार्गदर्शन करेंगे। श्री दंडवते मेस का प्रभार भी देखेंगे। अजय पोतदार मंचीय कार्यक्रम समन्वय, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विद्यार्थी सम्मान, गौरव अलंकरण समारोह, नृत्य कला समिति समन्वय, सोशल मीडिया स्टुडियो के अलावा सचिव के कार्यों में सहायक होंगे। मालती मिश्रा दिव्यांग बालिका विकास गृह की प्रभारी होंगी।

शहर में 41 साल से प्रेरणा स्कूल में निशुल्क शिक्षा, उच्च शिक्षा दिलाने संस्थाएं भर रहीं फीस

शिक्षा से वंचित न हों दिव्यांग बच्चे, इसलिए संस्थाएं मदद देकर संवार रहीं उनका जीवन

'माता-पिता की आर्थिक कमजोरी बेटे-बेटियों की शिक्षा में रोड़ा न बनने पाए, इसके लिए समाज के लोग अपने स्तर निशुल्क आवास देते हैं। शासन से छात्रवृत्ति के रूप में मदद मिलती है,लेकिन दिव्यांग बेटे-बेटियों को खाने और रहने की सुविधा परिवार में मिल रही है। फिर उनकी शिक्षा को लेकर लोग जिम्मेदारी निभाने से बचते हैं। ऐसे दिव्यांग बेटे-बेटियों को आवास और शिक्षा दिलाने का दायित्व प्रेरणा स्कूल में विगत 41 वर्षों से निभाया जा रहा है। जनभागीदारी और शासन के सहयोग से उन्हें निशुल्क शिक्षा दी जाती है। दिव्यांग बेटे-बेटियों का जीवन संवारने के लिए कुछ संस्थाएं और लोग उच्च शिक्षा के लिए नेत्रहीन बेटे-बेटियों की फीस भरते हैं, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।'

रायपुर। आर्थिक रूप से कमजोर बेटे-बेटियों को शिक्षा से जोड़ने में जाने-अनजाने में लोग और संस्थाएं मदद के लिए आगे आती हैं, लेकिन शारीरिक रूप से कमजोर बच्चों के भविष्य को लेकर अनदेखी की जाती है। ऐसे बेटे-बेटियों को शिक्षा से जोड़ने की पहल कम लोग ही करते हैं, लेकिन शहर में इस विषम परिस्थिति से जूझने वाली बेटियों को पहली में प्रवेश देने के साथ ही उच्च शिक्षा दिलाने तक प्रेरणा संस्था सहभागिता निभा रही हैं। निशुल्क शिक्षा से इस साल 110 बेटियां जुड़ी हैं। नेशनल

दिव्यांग को पढ़ाने में लोग नहीं लेते रुचि

इस क्रम में शहर की संस्था लव फॉर ह्यूमैनिटी नींव चार साल से 17 दिव्यांग बेटे-बेटियों के साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर बेटे-बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उनकी फीस दे रही हैं। संस्था के सुभाष राठी ने बताया कि 4 साल पहले हमने एक ऐसा परिवार देखा, जहां दिव्यांग बेटी को पढ़ाने में परिवार के लोग ही रुचि नहीं ले रहे थे। उस घटना से प्रेरित होकर संस्था के माध्यम से हर साल आपसी सहयोग और दानदाताओं की सहभागिता से उच्च शिक्षा दिलाने और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करवाने और फीस देने का दायित्व निभा रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने में भी सहयोग करते हैं।

एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड संस्था द्वारा 41 साल पहले शुरू किए गए प्रकल्प ने अब बड़ा स्वरूप ले लिया है। संस्थापक डॉ. राकेश कामरान ने बताया कि अभी प्रेरणा स्कूल परिसर में 110 बेटियों को शिक्षा, आवास एवं वाहन सहित भोजन की सुविधा दी जा रही है। इस सुविधा के साथ बेटियों को एक सामान्य जीवन जीने के लिए कौशल विकास से जोड़ने का प्रयास है। यह सच है कि दिव्यांग बेटे-बेटियों को प्रमोट करने वाली संस्थाएं भी कम हैं।

...ताकि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके

उन्होंने बताया कि बेटियों को कंप्यूटर, घर-परिवार के काम सहित शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योगासन भी सिखाए जाते हैं। इसके लिए कुशल शिक्षिकाओं को दायित्व दिया गया है। कई शिक्षिकाएं ऐसी भी हैं, जो स्वयं भी दिव्यांग हैं। बेटियों को परिसर में आठवीं तक पढ़ाने के लिए प्रेरणा स्कूल में व्यवस्था है। सभी बेटियों को रहने, खाने और पढ़ने के लिए सभी जरूरी संसाधन संस्था उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही दानी गर्ल्स, डिग्री गर्ल्स कॉलेज में पढ़ने के लिए जाने वाली बेटियों को वाहन की सुविधा देते हैं। इस तरह की व्यवस्था इसलिए बनाई गई है, ताकि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। महिलाओं की निगरानी में उन्हें सुविधा प्रोवॉइड कराई जाती है। सुबह से लेकर शाम तक का टाइम टेबल तय है, उसके अनुरूप ही व्यवस्था का संचालन किया जाता है।

पद्म विभूषण स्व. तीजन बाई को कल प्रदेश के लोक कलाकार देंगे श्रद्धांजलि

रायपुर। पंडवानी की अप्रतिम साधिका, पद्मविभूषण एवं डी-लिट से सम्मानित लोकगायिका डॉ. तीजन बाई को 8 जुलाई को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। संस्कृति विभाग द्वारा स्व. तीजन बाई को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पण का यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे महंत घासीदास संग्रहालय परिसर स्थित मुक्ताकाशी मंच से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल सहित मंत्री, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के साथ छत्तीसगढ़ के पद्मश्री एवं राज्य अलंकरण से सम्मानित कलाकार, साहित्यकार, संस्कृति कर्मी तथा बड़ी संख्या में कलाप्रेमी शामिल होंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित लोक कलाकार अपनी-अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से महान विभूति को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे, जिन्होंने पंडवानी जैसी लोकवाचिक परंपरा को गांव के चौपाल से उठाकर विश्व के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंचों तक पहुंचाया। गीत, संगीत, पंडवानी, लोकगायन और अन्य लोककलाओं की प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया जाएगा। यह आयोजन केवल एक श्रद्धांजलि समारोह नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के उस स्वर्णिम अध्याय को नमन है, जिसे डॉ. तीजन बाई ने अपने संपूर्ण जीवन में साधना से रचा।

पंडवानी को नई प्रतिष्ठा और वैश्विक सम्मान दिलाया

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री, सांसद और विधायक होंगे शामिल

पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई का निधन 5 जुलाई 2026 को हो गया। उनके निधन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश और विश्व के कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके साथ भारतीय लोककला का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय समाप्त हुआ, जिसने पंडवानी को नई प्रतिष्ठा, नई पहचान और वैश्विक सम्मान दिलाया। 24 अप्रैल 1956 को दुर्ग जिले के गनियारी गांव में जन्मी पद्मविभूषण तीजन बाई का बचपन अत्यंत साधारण परिस्थितियों में बीता। महज 13 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना पहला सार्वजनिक मंच प्रदर्शन किया और उसी समय यह संकल्प लिया कि वे पंडवानी को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाएंगी। उस दौर में महिलाओं द्वारा पारंपरिक वेदमती शैली में बैठकर पंडवानी प्रस्तुत करने की परंपरा थी, लेकिन उन्होंने साहस के साथ कपालिक शैली में खड़े होकर पंडवानी प्रस्तुत की। अपनी दमदार आवाज, सशक्त अभिनय और प्रभावशाली भावाभिव्यक्तियों से उन्होंने पंडवानी को नई पहचान दिलाई और इसे जन-जन तक पहुंचाया।

चिकित्सक अपने कर्मों से नर सेवा ही नारायण सेवा का देते है संदेश

रायपुर। जब समाज की नींव मजबूत करने वाले हाथों को मंच पर सम्मान मिलता है, तो पूरा सभागार गर्व से भर जाता है। लायन्स क्लब ग्रेट ने सभागार में डॉक्टर्स एवं सीए सम्मान समारोह आयोजित कर ऐसे ही सेवाभावी लोगों को सम्मानित किया। इस दौरान अथिथियों ने डाक्टरों को धरती पर भगवान के रुप में मानते हुए कहा कि जब पीड़ा अपने चरम पर होती है, तब डॉक्टर का धैर्य, ज्ञान और संवेदना किसी वरदान से कम नहीं होता। ईमानदारी और आर्थिक अनुशासन के साथ ही नर सेवा ही नारायण सेवा है, जिसे चिकित्सक अपने कर्म से सिद्ध करते हैं। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और भारत माता व लायन्स इंटरनेशनल के संस्थापक सर मेल्विन जोन्स के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन मंजू शर्मा ने स्वागत भाषण देकर सभी अतिथियो का परिचय कराया। अतिथियों का स्वागत औषधीय पौधे भेंट कर पर्यावरण का संदेश भी दिया गया।

10 डॉक्टर्स और 8 सीए हुए सम्मानित

लायन्स क्लब ग्रेट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 10 चिकित्सकों और 8 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को स्मृति चिन्ह और औषधियुक्त पौध भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित अतिथियों ने अपने अनुभव और संस्मरण भी साझा किए। मंच पर मुख्य अतिथि लायन डॉ. एस. के. तमेर, विशेष अतिथि सीए सुधीर सुराना, रीजन चेयरमैन लायन अमित खंडेलवाल, जोन चेयरमैन लायन बबीता सोनी और चार्टर प्रेसिडेंट लायन अनिता अग्रवाल उपस्थित थे।

एम्स में राष्ट्रीय क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन सर्जरी पर कार्यशाला

देशभर के न्यूरो सर्जंस ने एम्स में सीखीं जटिल सर्जरी की आधुनिक विधियां, सर्जिकल तकनीक पर दिया प्रशिक्षण

कार्नर न्यूज

रायपुर। एम्स के न्यूरोसर्जरी विभाग की ओर से न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में राष्ट्रीय क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन सर्जरी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला संस्थान के एनाटॉमी विभाग की अत्याधुनिक कैडैवरिक लैब में आयोजित की गई, जिसमें देशभर से वरिष्ठ न्यूरोसर्जन, विशेषज्ञ चिकित्सक, रेजिडेंट डॉक्टर एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन शरीर का वह अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है, जहां मस्तिष्क रीढ़ की हड्डी के ऊपरी हिस्से से जुड़ता है। इस क्षेत्र में सांस लेने, शरीर की गतिविधियों, संतुलन तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को नियंत्रित करने वाली नसें और रक्त वाहिकाएं होती हैं। इस क्षेत्र में होने वाली छोटी-सी समस्या भी गर्दन में तेज दर्द, हाथ-पैरों में कमजोरी, चलने-फिरने में कठिनाई, निगलने में परेशानी तथा कई बार जानलेवा न्यूरोलॉजिकल जटिलताओं का कारण बन सकती है। इस क्षेत्र की

जटिल मामलों के उपचार में अपने अनुभव साझा किए

एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. सौमित्र त्रिवेदी ने कहा कि यह कार्यशाला युवा न्यूरोसर्जनों को विशेषज्ञों से सीधे सीखने का अनूठा अवसर प्रदान करती है। एम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. डी. के. त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं वर्तमान समय की आवश्यकता हैं। संस्थान के अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में एसजीपीजीआई, लखनऊ के प्रो. अरुण कुमार श्रीवास्तव तथा एम्स भोपाल के प्रो. आदेश श्रीवास्तव सहित देश के कई प्रतिष्ठित न्यूरोसर्जनों ने भाग लिया। उन्होंने जन्मजात विकृतियों, चोटों, उम्र संबंधी रोगों, ट्यूमर, रक्त वाहिकाओं की समस्याओं तथा क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन की अस्थिरता जैसे जटिल मामलों के उपचार में अपने अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने कठिन मामलों में सही निर्णय लेने, सर्जरी के दौरान होने वाली जटिलताओं से बचने तथा प्रमाण-आधारित उपचार पद्धतियों पर भी विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला का समापन अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। देशभर से आए न्यूरोसर्जनों, ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जनों, रेजिडेंट डॉक्टरों एवं फेलोज़ ने इस कार्यक्रम की सराहना की। प्रतिभागियों ने देश के अग्रणी विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया, जटिल मामलों पर चर्चा की तथा व्यावहारिक निर्णय लेने की तकनीकों को समझने का अवसर प्राप्त किया।

सर्जरी अत्यंत जटिल होती है, जिसके लिए उच्च स्तर की विशेषज्ञता, आधुनिक तकनीक, विशेष उपकरण और गहन प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। आधुनिक इमेजिंग, सर्जिकल नेविगेशन तथा मिनिमली इनवेसिव तकनीकों ने ऐसे ऑपरेशनों के परिणामों में काफी सुधार किया है। इसलिए न्यूरोसर्जनों के लिए निरंतर प्रशिक्षण और कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है।

सर्जरी के लिए शरीर रचना विज्ञान की गहरी समझ आवश्यक

कार्यशाला में विशेषज्ञ व्याख्यान, जटिल मामलों पर चर्चा, पैनल डिस्कशन तथा कैडैवरिक (मानव शरीर संरचना आधारित) डेमोंस्ट्रेशन आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को आधुनिक सर्जिकल तकनीकों, उपकरणों के उपयोग, ऑपरेशन की पूर्व योजना तथा जटिल क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन रोगों के उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया। उन्होंने कहा कि एम्स रायपुर उन्नत न्यूरोसर्जरी शिक्षा एवं प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। इस प्रकार की राष्ट्रीय कार्यशालाएं और सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम मध्य भारत में विश्वस्तरीय न्यूरोसर्जरी विशेषज्ञता उपलब्ध कराने के साथ-साथ मरीजों को अपने ही क्षेत्र में नवीनतम एवं प्रमाण-आधारित उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यशाला के आयोजक एवं न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण के बीच की दूरी को कम करना है। उन्होंने बताया कि क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन की सर्जरी के लिए शरीर रचना विज्ञान की गहरी समझ, सूक्ष्म योजना और उच्च तकनीकी दक्षता आवश्यक होती है। ऐसे कार्यक्रम युवा न्यूरोसर्जनों को देश के अनुभवी विशेषज्ञों से सीखने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं।

ज्योतिष

14 जुलाई को देवगुरु बृहस्पति होंगे अस्त, इन राशियों पर पड़ेगा असर

इस साल 14 जुलाई को ब्रह्मांड के सबसे शुभ और उदार ग्रह, देवगुरु बृहस्पति अस्त होने जा रहे हैं। गुरु की यह कमजोर स्थिति के कारण कुछ खास राशियां ऐसी हैं जिनकी जिंदगी में अचानक उथल-पुथल मच सकती है। गुरु के नकारात्मक असर से बचने भगवान विष्णु और शिवजी की नियमित आराधना करें. हर गुरुवार को माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएं

मेष राशिः फैसलों पर लगाएं ब्रेक : इस समय आपकी मानसिक स्पष्टता थोड़ी प्रभावित हो सकती है। कोई भी बड़ा कॉन्ट्रैक्ट साइन करना हो या नया बिजनेस वेंचर शुरू करना हो, उसे कुछ समय के लिए होल्ड पर डाल दें। जल्दबाजी में लिया गया एक भी गलत निर्णय आपकी जमा-पूंजी को फंसा सकता है।

कर्क राशिः बजट का बिगड़ेगा संतुलन : बृहस्पति के अस्त होते ही आपके अनचाहे खर्चों में अचानक उछाल आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी मनपसंद पोजीशन या प्रमोशन के लिए थोड़ा लंबा इंतजार करना पड़ेगा। प्रॉपर्टी या शेयर मार्केट में बड़ा रिस्क लेने से बिल्कुल बचें।

सिंह राशिः वर्कप्लेस पर बढ़ेगी तनातनी : कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ अचानक बढ़ सकता है। सहकर्मियों या बॉस के साथ तालमेल बिठाने में दिक्कत आ सकती है। मानसिक तनाव का सीधा असर आपके डाइजेशन पाचन और स्लीप साइकिल पर पड़ सकता है, इसलिए सेहत को प्राथमिकता दें।

वृश्चिक राशिः भरोसे के नाम पर मिल सकता है धोखा : यह समय किसी नए पार्टनर या अनजान शख्स पर आंख बंद करके विश्वास करने का नहीं है। पैसों का उधार-लेनदेन आपके आपसी रिश्तों में दरार डाल सकता है। जितना हो सके शांत रहें और दूसरों के विवादों में टांग न अड़ाएं।

धनु राशिः खुद को री-इवैल्युएट करने का समय : गुरु आपकी ही राशि के स्वामी हैं, इसलिए आपके आत्मविश्वास में थोड़ी कमी महसूस हो सकती है। करियर में जो रफ्तार बनी हुई थी, वह अचानक धीमी पड़ सकती है। इस समय को किसी नए काम में कूदने के बजाय पुराने अधूरे कामों को ठीक करने में लगाएं।

मीन राशिः सेहत और सुकून पर ध्यान दें : मीन राशि के भी स्वामी गुरु ही हैं। आपके बनते हुए कामों में आखिरी वक्त पर रुकावटें आ सकती हैं। आर्थिक मोर्चे पर तंगी महसूस न हो, इसके लिए फिजूलखर्ची पर आज से ही रोक लगा दें। खान-पान में लापरवाही से लिवर या पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

शनि वक्री का शुभ प्रभाव, वृषभ, मिथुन समेत 4 राशियों की चमकेगी किस्मत

शनि देव मीन राशि में ही उल्टी चाल यानी वक्री होने जा रहे हैं, जिसकी तारीख 27 जुलाई है। आमतौर पर शनि की वक्री चाल को कष्टकारी माना जाता है लेकिन ज्योतिषीय गणना के अनुसार, मीन राशि में शनि का वक्री होना सभी राशियों के लिए बुरा नहीं रहेगा। इस दौरान कुछ राशियों को लाभ होगा।

वृषभ राशि : शनि की वक्री चाल वृषभ राशि के जातकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित होगी। आपकी आय में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होने के योग हैं। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को इस अवधि में प्रमोशन या मनचाहा ट्रांसफर मिल सकता है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों के लिए शनि देव दशम भाव में वक्री होंगे, जो कि कर्म का भाव है। यदि आप नया बिजनेस शुरू करने की सोच रहे हैं, तो यह समय सर्वश्रेष्ठ है। पुराने निवेश से भी बड़ा मुनाफा होने की उम्मीद है। इस दौरान आपको पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वालों के लिए शनि की यह उल्टी चाल मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने वाली होगी। जो काम पिछले कई महीनों या सालों से अटके हुए थे, वे अब तेजी से पूरे होने लगेंगे। जो लोग विदेश जाने का सपना देख रहे हैं या विदेशी कंपनियों से जुड़े हैं, उन्हें कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

कुंभ राशि : चूंकि शनि देव आपकी राशि के स्वामी हैं, इसलिए मीन राशि में उनकी वक्री चाल आपके धन भाव को प्रभावित करेगी। इस अवधि में आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और आप धन की बचत करने में सफल रहेंगे। आपकी कम्यूनिकेशन स्किल मजबूत होगी, जिससे आप कार्यस्थल पर लोगों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे।

समय पर इलाज कराने से समस्या बढ़ने से बच सकती है

बारिश के मौसम में कंजक्टिवाइटस के खतरे से इन तरीकों से करें अपना बचाव

बारिश का मौसम आंखों के संक्रमण के खतरे को बढ़ा सकता है, जिसे कंजक्टिवाइटस कहते हैं। यह संक्रमण आंखों में सूजन, लालिमा और जलन का कारण बनता है। मानसून में बढ़ती नमी और बैक्टीरिया का स्तर इस संक्रमण के फैलने का मुख्य कारण हो सकता है।

आंखों को साफ रखें

बारिश के दौरान आंखों को साफ रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि गंदगी और बैक्टीरिया संक्रमण का कारण बन सकते हैं। अपने हाथों को साबुन और पानी से धोने के बाद ही आंखों को छुएं। इसके अलावा नियमित रूप से अपनी आंखों को साफ पानी से धोएं, ताकि किसी भी प्रकार की गंदगी या बैक्टीरिया का प्रभाव कम हो सके। इससे आप संक्रमण के खतरे से बच सकते हैं और अपनी आंखों को स्वस्थ रख सकते हैं।

तौलिया साझा करने से बचें

संक्रमण के बैक्टीरिया आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकते हैं, इसलिए कभी भी अपना तौलिया किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा न करें। खासकर अगर किसी को पहले से ही संक्रमण हो रखा हो तो उसका तौलिया और रुमाल आदि साझा करने से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा अपने तौलिये को हमेशा साफ और सूखा रखें और उसे किसी दूसरे व्यक्ति के कपड़ों के पास न रखें।

आंखों को सुरक्षित रखें

बारिश के दौरान बाहर निकलते समय हमेशा चश्मा पहनें, ताकि आपकी आंखें सीधे पानी और गंदगी से सुरक्षित रहें। खासकर अगर आप सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर रहे हों तो चश्मा पहनना और भी जरूरी है, क्योंकि वहां बैक्टीरिया अधिक होते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी गीली जगह पर काम करते हैं तो अपने काम के दौरान भी चश्मा पहनें, ताकि आपकी आंखें सुरक्षित रहें और संक्रमण का खतरा कम हो।

समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाएं

अगर आपको अपनी आंखों में लगातार जलन या लालिमा महसूस हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर इलाज कराने से समस्या बढ़ने से बच सकती है और आपकी आंखें स्वस्थ रहेंगी। डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाइयों का सही तरीके से सेवन करें और उनकी सभी सलाहों का पालन करें। इस तरह आप बारिश के मौसम में संक्रमण से सुरक्षित रह सकते हैं और अपनी आंखों को स्वस्थ रख सकते हैं।

मानसून में सुबह की सैर से मिल सकते हैं स्वास्थ्य को ढेर सारे लाभ

मानसून के दौरान सुबह की सैर करना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है, जिससे आप ताजगी और ऊर्जा महसूस कर सकते हैं। यह न केवल आपके शरीर को सक्रिय रखता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। हालांकि, मानसून में सुबह की सैर करते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आप बारिश और नमी से सुरक्षित रहें और बीमारियों से बच सकें। आइए मानसून में सुबह की सैर से जुड़ी जरूरी बातें जानें।

सही कपड़े पहनें

मानसून में सुबह की सैर करते समय सही कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। ऐसे कपड़े चुनें, जो हल्के, सूती और जल्दी सूखने वाले हों। बारिश के दौरान फिसलन से बचने के लिए वॉटरप्रूफ जूते पहनें। इसके अलावा कपड़े ढीले-ढाले होने चाहिए ताकि हवा आसानी से गुजर सके और आपको उमस महसूस न हो। इससे आप आरामदायक महसूस करेंगे और सैर का पूरा मजा ले सकेंगे।

बारिश से बचाव के लिए करें तैयारी

मानसून में अचानक बारिश हो सकती है, इसलिए हमेशा तैयार रहें। एक छाता या बारिश की जैकेट साथ रखें ताकि बारिश होने पर आप तुरंत इसका उपयोग कर सकें। इसके अलावा अपने फोन को पानी से बचाने वाला कवर में रखें ताकि वह भीगने से सुरक्षित रहे। अगर मौसम खराब लगे तो बाहर न निकलें और घर पर ही व्यायाम करें। इससे आप सुरक्षित रहेंगे और आपकी दिनचर्या भी प्रभावित नहीं होगी।

खाने-पीने का रखें ध्यान

सुबह की सैर के साथ-साथ खाने-पीने का ध्यान रखना भी जरूरी है। मानसून में ताजे फल और सब्जियां शामिल करें, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करेंगे। इसके अलावा पानी की कमी न होने दें और पर्याप्त पानी पिएं ताकि आपका शरीर साफ हो सके। तले-भुने खाद्य पदार्थों से बचें क्योंकि ये पेट में दिक्कत कर सकते हैं। इसके बजाय हल्का और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन करें ताकि आपकी सेहत बनी रहे।

समय का रखें ध्यान : सुबह की सैर का समय बहुत अहम होता है। कोशिश करें कि आप सुबह जल्दी उठकर सैर करें, इससे आपका दिन अच्छा शुरू होगा और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। इसके अलावा नियमित रूप से एक ही समय पर सैर करने से आपकी शरीर की घड़ी सेट हो जाएगी और आप ज्यादा प्रभावी तरीके से सैर कर पाएंगे। इस तरह मानसून में सुबह की सैर करने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहेगा बल्कि आपका मन भी खुश रहेगा।

अचार को स्टोर करते समय न करें ऐसी गलतियां, वरना हो सकता है खराब

अचार का स्वाद भारतीय खाने का जरूरी हिस्सा है। हालांकि, इसे स्टोर करते समय कुछ गलतियां हो सकती हैं, जो अचार के स्वाद और उसकी गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे अचार को स्टोर करते समय बचना चाहिए ताकि उसका स्वाद और गुणवत्ता बरकरार रहे और वह लंबे समय तक खराब न हो।

नमक और तेल की कमी होना : अचार को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए नमक और तेल की जरूरत होती है। अगर इनकी मात्रा कम होगी तो अचार जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए अचार बनाते समय सही मात्रा में नमक और तेल का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि तेल और नमक दोनों ही अच्छे गुणवत्ता वाले हों ताकि अचार का स्वाद और उसकी गुणवत्ता बनी रहे। इसके अलावा नमक और तेल की सही मात्रा अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती है।

धूप में रखना : अचार को कभी भी धूप में न रखें क्योंकि इससे वह जल्दी खराब हो सकता है। धूप से अचार में कीटाणु पनप सकते हैं, जिससे उसका स्वाद बिगड़ सकता है। अचार को हमेशा ठंडी और सूखी जगह पर रखें। अगर आप घर में किसी ऐसी जगह का ध्यान रख रहे हैं, जहां धूप न पड़े तो अचार लंबे समय तक ठीक रहेगा। इसके अलावा अचार को कभी भी गर्म जगह पर न रखें।

चम्मच का उपयोग न करना : अचार निकालते समय लकड़ी या प्लास्टिक की चम्मच का उपयोग करना चाहिए। लोहे की चम्मच का उपयोग करने से अचार जल्दी खराब हो सकता है क्योंकि लोहे पर जंग लगने की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा लोहे की ठंडी चम्मच से अचार ठंडा हो जाता है, जिससे उसका स्वाद बिगड़ सकता है। इसलिए हमेशा साफ और सूखी चम्मच का ही उपयोग करें ताकि आपका अचार लंबे समय तक ठीक रहे।

साफ हाथ से न निकालना : अक्सर लोग बिना हाथ धोएं या बिना साफ किए हुए अचार निकाल लेते हैं, जिससे कीटाणु पनप सकते हैं और अचार खराब हो सकता है। इसलिए हर बार अचार निकालने से पहले अपने हाथों को अच्छे से धोएं और साफ करें।

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा, खानपान का रखें ध्यान

बारिश का मौसम गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन साथ ही कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम, वायरल फीवर, फूड पॉइजनिंग, डायरिया और पेट से जुड़ी समस्याएं तेजी से फैलती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, मानसून में हमारी पाचन क्षमता थोड़ी कमजोर हो जाती है और वातावरण में नमी बढ़ने से बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में खानपान और साफ-सफाई को लेकर थोड़ी सी लापरवाही भी बीमारी की वजह बन सकती है।

इस कारण बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा : मानसून के दौरान हवा में नमी का स्तर बढ़ जाता है। यह बैक्टीरिया और फंगस के लिए अनुकूल माहौल तैयार करता है। इसके अलावा जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों की संख्या भी बढ़ती है, जिससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में दूषित पानी और खराब भोजन सबसे बड़ी समस्या होते हैं। कई बार खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं, लेकिन हमें इसका पता नहीं चल पाता। ऐसे भोजन के सेवन से पेट का संक्रमण, उल्टी और दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

बरसात में इन चीजों को खाने से बचना : बारिश के मौसम में खुले में रखे कटे फल बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी के संपर्क में आ जाते हैं। इनमें संक्रमण का खतरा अधिक होता है। इसलिए ताजे और घर पर काटे गए फल ही खाएं।

हरी पत्तेदार सब्जियां : पालक, मेथी, पत्तागोभी जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों में मानसून के दौरान कीड़े और सूक्ष्म जीव अधिक पनप सकते हैं। अगर इन्हें अच्छी तरह साफ न किया जाए तो संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

स्ट्रीट फूड : गोलगप्पे, चाट, पकौड़ी और अन्य खुले खाद्य पदार्थ बारिश के मौसम में संक्रमण का बड़ा कारण बन सकते हैं। इनमें इस्तेमाल होने वाला पानी और साफ-सफाई अक्सर संदेह के घेरे में रहती है।

बासी खाना : मानसून में भोजन जल्दी खराब हो सकता है। फ्रिज में रखा खाना भी लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रहता। इसलिए ताजा बना भोजन खाने की कोशिश करें और कई घंटों पुराना खाना खाने से बचें।

कच्चा या अधपका भोजन : कच्चे सलाद, अधपके अंडे, मांस या सी-फूड में बैक्टीरिया मौजूद हो सकते हैं। बारिश के मौसम में इन्हें अच्छी तरह पकाकर ही खाना चाहिए।

क्या खाना फायदेमंद रहेगा : मानसून में हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन बेहतर माना जाता है। दाल, खिचड़ी, सूप और ताजा घर का बना खाना शरीर को जरूरी पोषण देने के साथ पाचन को भी बेहतर बनाए रखता है। अदरक, हल्दी, काली मिर्च और तुलसी जैसी चीजें रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है, लेकिन हमेशा साफ और उबला या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं।

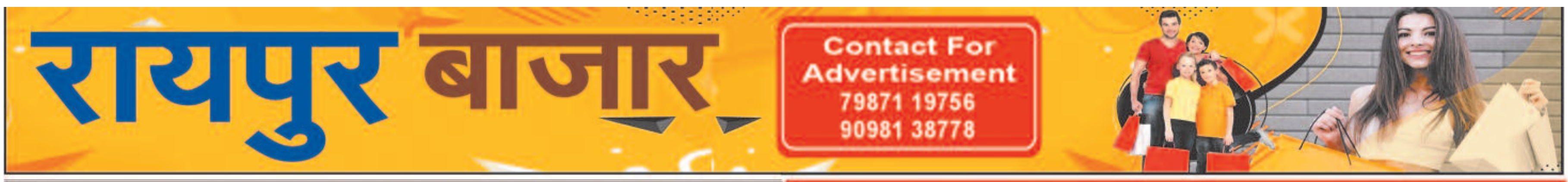

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सिंगर हैरी का लाइव कॉन्सर्ट में गला चोक, स्टेज पर गिर पड़े

'वॉटरमेलन शुगर' फेम ब्रिटिश सिंगर हैरी स्टाइल्स के साथ वेम्बली स्टेडियम में कुछ ऐसा हुआ, जिसने एक पल के लिए उनके लाखों-करोड़ों फैंस की धड़कन रोक दी। हैरी अपनी लाइव परफॉर्मेंस दे रहे थे, जहां अचानक गाने के बीच में पानी पीते ही उनका गला चोक हो गया। पानी उनके गले में अटक गया, चोकिंग की वजह से वह स्टेज पर गिर पड़े। इस कारण शो कुछ देर के लिए बीच में रुक गया। वहां मौजूद दर्शक यह सब देख परेशान हो गए, जबकि अब इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियोज को देख फैंस भी चिंता में पड़ गए हैं। हालांकि, 32 साल के सिंगर की हालत कुछ मिनटों में ठीक हो गई और उन्होंने वापस परफॉर्मेंस देना शुरू कर दिया। हैरी स्टाइल्स के साथ यह घटना 26 जून के शो में हुई है। वेम्बली स्टेडियम में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बीच हजारों की संख्या में फैंस मौजूद थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिंगर दर्शकों से बातचीत कर रहे थे, तभी उन्हें गले में कुछ अटकने जैसा महसूस हुआ। उन्होंने पानी की बोतल उठाई और एक घूंट पिया, लेकिन इसके बाद उनकी हालत और खराब हो गई। दम घुटने लगा। वह वहीं स्टेज पर लेट गए। हालांकि, हैरी ने जल्द ही खुद को संभाला और परफॉर्मेंस जारी रखी। जब सिंगर स्टेज पर ठीक हो रहे थे, तब क्रू मेंबर्स और ऑन-साइट सपोर्ट टीम को तुरंत मदद करते हुए देखा गया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

टॉलीवुड

50 साल की बेटी को नहीं पता कौन है अपनी मां! अजब श्रुति की गजब कहानी

साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा 50 साल की है। 150 से अधिक फिल्मों में काम कर चुकी हैं। दो बार राज्य फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हैं। लेकिन, उनकी जिंदगी की एक दिलचस्प बात यह है कि वह दो मां की संतान हैं। जी हां, उनके पिता ने जुड़वा बहनों से शादी की थी। श्रुति को आजतक नहीं पता कि उनकी असली मां कौन हैं। असल जिंदगी की कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो फिल्मों जैसी लगती हैं। लेकिन कल्पनाओं से परे, साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा का असल जीवन ऐसा है, जिसके बारे में जानकर एकबारगी आपको भी हैरानी होगी। वह 50 साल की हैं। 36 साल के करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। श्रुति एक अनूठे परिवार का हिस्सा हैं, जहां उनकी दो मां हैं। वह कहती हैं कि उन्हें या उनके भाई-बहनों को कभी यह जानने की जरूरत महसूस नहीं हुई कि उनकी बायोलॉजिकल मां कौन हैं। दरअसल, श्रुति के पिता ने जुड़वा बहनों से शादी की। दो बीवियों से तीन संतान प्राप्त हुए। लेकिन, इसी के साथ एक फैसला लिया गया। कभी किसी को नहीं बताना है कि कौन किस मां की औलाद है। नतीजा, आज तीन बच्चों, दो मां और एक पिता का यह परिवार राज़ी-खुशी रहता है। श्रुति कृष्णा 'बिग बॉस कन्नड़' सीजन 3 की विनर रही हैं। वह बीते दिनों 'सूर्याः द पावर ऑफ लव' और 'मजेस्टिक 2' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। श्रुति का नाम पहले गिरिजा था। जन्म के वक्त परिवार ने उन्हें यही पहचान दी। उनका परिवार थिएटर से जुड़ा हुआ है।

भोजपुरी

पहले लोग मुझे नकारते थे, 34 साल बाद मेरे बदले हैं हालात : रवि किशन

एक्टर-नेता रवि किशन अभी रियलिटी शो 'अलायंस' का हिस्सा हैं, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी रिवा किशन के साथ हिस्सा लिया है। कुणाल खेमू के होस्ट किए गए इस शो को हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया। पहले एपिसोड में, रवि को फिल्म इंडस्ट्री में सालों तक मिले रिजेक्शन को याद करते हुए देखा गया और बताया गया कि कैसे 34 साल बाद उन्हें सफलता मिली। यह बताते हुए कि 34 साल बाद हालात कैसे बदल गए, रवि किशन ने कहा, 'उस साल मैंने 'बेस्ट एक्टर' के सभी अवॉर्ड जीते। मैं उन सभी मंचों पर गया जहां लोग मुझे कभी नहीं बुलाते थे। उन्होंने हमेशा मुझे ठुकराया था। किसी को यकीन नहीं था कि मैं कभी कुछ हासिल कर पाऊंगा।' रवि किशन के करियर का यह दौर बहुत शानदार चल रहा है और उनके हालिया काम की काफी तारीफ हो रही है। किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' में उनके रोल के लिए क्रिटिक्स और लोगों, दोनों ने उनकी काफी तारीफ की। वहीं वेब सीरीज 'मामला लीगल है' में भी उनके काम को पसंद किया गया। उन्हें 'मां बहन' और 'भाभीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में भी देखा गया। उन्होंने बताया कि 90 के दशक में जब इंडस्ट्री में नए-नए स्टार्स आ रहे थे, तब पूरी तरह तैयार और ट्रेंड होने के बावजूद उन्हें रिजेक्शन का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने माना कि इस दौर में उन्हें लगा कि वह पीछे छूट गए हैं, फिर भी उन्हें भरोसा था कि उनका समय भी जरूर आएगा। कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए रवि किशन ने इंडस्ट्री में अपने लंबे और मुश्किल सफर के बारे में खुलकर बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसे ही लोग पहले मुझे नकारते थे। 90 के दशक में स्टार्स बनते जा रहे थे। मैं उन्हें देख सकता था मेरी आवाज अच्छी थी, मैं प्रशिक्षित था, घुड़सवारी, लड़ाई, ये, उर्दू, हिंदी, सब कुछ, थिएटर, डांस। पूरी तैयारी थी। मैं पूरी तरह तैयार था। उसके बाद भी देख रहा हूं, मैं पीछे रह गया। सब आगे चले गए।' एक्टर ने आगे बताया कि जब वे अपने साथियों को सफल होते देखते थे, तब उन्हें अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

लाइफ स्टाइल

1.8 लाख रुपए की ड्रेस पहनकर पहुंचीं प्रियंका

ग्लोबल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने कान लायंस इवेंट के लिए उन्होंने सिल्विया चेरासी की कलर-ब्लॉक्ड हॉल्टर ड्रेस पहनी। इसकी कीमत 1,80,900 रुपए थी। इटैलियन फैब्रिक से बनी इस मैक्सी ड्रेस का कॉलम सिल्हूट इसे एक स्टाइलिश लुक दे रहा था। पीछे की तरफ टाई डिटेलिंग वाली हॉल्टर नेकलाइन ने एक्ट्रेस के लुक को और भी शानदार बना दिया। ड्रेस के साथ फ्रेडा साल्वाडोर लेदर थोंग सैंडल, साथ ही पिंक नेकलेस और रोलेक्स डे-डेट 40 चॉकलेट डायल घड़ी पहनीं।

चेहरे की देखभाल के लिए रोजाना करें फेस स्टीम त्वचा दिखेगी ग्लो-ग्लो, स्वस्थ और चमकदार

त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए भाप लेना एक बेहतरीन तरीका है। इससे चेहरे के छिद्र खुलते हैं, गंदगी बाहर निकलती है और खून का बहाव बेहतर होता है। इसके अलावा भाप से त्वचा की नमी बनी रहती है और यह त्वचा को ताजगी भी देती है। इस लेख में हम आपको रोजाना भाप लेने के कारण बताएंगे, जिससे आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बना सकते हैं।

गंदगी और अशुद्धियों को हटाने में है मददगार

भाप लेने से चेहरे की गंदगी और अशुद्धियां बाहर निकलती हैं। जब आप अपने चेहरे को भाप देते हैं तो यह त्वचा के छिद्रों को खोलता है, जिससे पसीना आता है और गंदगी बाहर निकलती है। इससे आपकी त्वचा साफ और ताजगी महसूस होती है। इसके अलावा यह प्रक्रिया त्वचा की गहराई तक जाती है और उसे साफ करती है, जिससे आपकी त्वचा को एक

नई चमक मिलती है।

खून के बहाव को करती है बेहतर

भाप लेने से खून का बहाव भी बेहतर होता है। गर्म भाप खून की नलियों को खोलती है, जिससे खून का बहाव बढ़ता है और त्वचा को अधिक पोषण मिलता है। इससे आपकी त्वचा ताजगी महसूस करती है और उसमें निखार आता है। नियमित रूप से भाप लेने से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

तनाव कम करने में है सहायक

भाप लेना तनाव कम करने में भी सहायक है। गर्म भाप से मिलने वाली आरामदायक भावना मानसिक तनाव को दूर करती है और आपको शांत महसूस कराती है। इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस करते हैं। इसके अलावा यह प्रक्रिया आपकी त्वचा को भी ताजगी देती है और निखार लाती है।

त्वचा की चमक को बढ़ाने में है मददगार

भाप लेने से त्वचा की चमक भी बढ़ती है। जब आपकी त्वचा साफ होती है और खून का बहाव बेहतर होता है तो आपकी त्वचा चमकदार दिखती है। इससे आपका चेहरा ताजगी भरा हुआ लगता है और आप हमेशा तैयार महसूस करते हैं। नियमित रूप से भाप लेने से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

हर स्टाइलिस्ट अपनाते हैं फैशन से जुड़े ये नियम, जो लुक में लगाते हैं चार चांद

फैशन

फैशन की दुनिया में स्टाइलिस्ट की अपनी अहमियत होती है। ये लोग अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर हमें सही सलाह देते हैं कि हमें क्या पहनना चाहिए और क्या नहीं। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि स्टाइलिस्ट खुद किन नियमों का पालन करते हैं?

इस लेख में हम कुछ ऐसे फैशन नियमों के बारे में बताएंगे, जो हर स्टाइलिस्ट गुप्त रूप से अपनाता है और जिन्हें जानकर आप भी अपने लुक को बेहतरीन बना सकते हैं।

सही फिटिंग के कपड़े पहनें : स्टाइलिस्ट हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि कपड़ों की फिटिंग सही होनी चाहिए। चाहे वह एक साधारण टी-शर्ट हो या एक औपचारिक सूट, सही फिटिंग के कपड़े हमेशा आपको बेहतर दिखाते हैं। बहुत ढीले या टाइट कपड़े पहनने से बचें, क्योंकि ये आपके लुक को खराब कर सकते हैं। सही फिटिंग के कपड़े पहनकर आप न केवल स्टाइलिश दिखेंगे, बल्कि आरामदायक भी महसूस करेंगे। अगली बार जब आप कपड़े खरीदें तो उनकी फिटिंग पर खास ध्यान दें।

रंगों का मेलजोल समझें : रंगों का मेलजोल बहुत जरूरी होता है। स्टाइलिस्ट हमेशा कहते हैं कि विपरीत रंगों का मेल बहुत सुंदर लगता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप बहुत ज्यादा चमकीले रंग एक साथ पहन लें। कोशिश करें कि आपके कपड़ों के रंग एक-दूसरे के साथ अच्छे से मिलें। उदाहरण के लिए, नीला और सफेद, काला और ग्रे, या भूरे रंग के अलग-अलग शेड एक साथ बहुत अच्छे लगते हैं। इसके अलावा अपनी त्वचा के रंग के अनुसार रंग चुनें।

गहनों का सही उपयोग करें : गहने आपके लुक को खास बना सकते हैं। स्टाइलिस्ट हमेशा कहते हैं कि एक अच्छा गहना आपके पूरे लुक को नया रूप दे सकता है। हालांकि, गहनों का चयन करते समय ज्यादा भारी या चमकीली चीजें न चुनें, क्योंकि ये आपके लुक को बिगाड़ सकती हैं। इसके बजाय साधारण, लेकिन आकर्षक गहनों का चयन करें, जैसे कि एक सुंदर हार, कान की बालियां या एक अच्छी घड़ी। इससे आपका लुक संतुलित और आकर्षक रहेगा।

आत्मविश्वास रखें : सबसे जरूरी है आत्मविश्वास बनाए रखना। चाहे आप कितना भी अच्छा कपड़ा क्यों न पहन लें, अगर आपका आत्मविश्वास कम होगा तो आपका लुक अधूरा लगेगा। हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहें और जो भी पहनें, उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ पहनें। इन 5 सरल, लेकिन असरदार फैशन नियमों को अपनाकर आप भी अपने लुक को स्टाइलिश बना सकते हैं। याद रखें, सही फिटिंग के कपड़े, सही रंगों का मेल, अच्छे गहने और आत्मविश्वास ही आपके लुक को खास बनाते हैं।

वर्चुअल मीटिंग्स के दौरान कुछ बातों का रखें ध्यान, पड़ेगा अच्छा प्रभाव

वर्चुअल मीटिंग्स अब आम हो गई हैं। चाहे ऑफिस की हो या अन्य किसी तरह की, इनका सही तरीके से संचालन करना जरूरी है ताकि पेशेवर छवि बनी रहे। सही कपड़े, बैकग्राउंड, समय पर ध्यान देना और तकनीकी तैयारी रखना अहम है। इसके अलावा ध्यान रखना चाहिए कि आप बोलते समय म्यूट बटन का उपयोग करें और ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचें। इस लेख में हम आपको वर्चुअल मीटिंग्स से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताने जा रहे हैं।

सही कपड़े पहनें : वर्चुअल मीटिंग्स के लिए सही कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। भले ही आप घर पर हों, पेशेवर दिखना अहम है। औपचारिक कपड़े पहनें ताकि आपकी पेशेवर छवि बनी रहे। अगर आप ऑफिस के लिए औपचारिक कपड़े पहनते हैं तो वही कपड़े वर्चुअल मीटिंग्स के लिए भी अच्छे रहते हैं। इससे आप खुद को अधिक पेशेवर महसूस करेंगे और आपकी छवि भी बेहतर बनेगी। उचित कपड़े आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और मीटिंग का माहौल भी गंभीर बनाते हैं।

बैकग्राउंड का ध्यान रखें

मीटिंग के दौरान बैकग्राउंड का ध्यान रखना भी जरूरी है। साफ-सुथरा और व्यवस्थित बैकग्राउंड रखें। अगर संभव हो तो दीवार पर कोई बड़ा चित्र न लगाएं क्योंकि इससे ध्यान भटक सकता है। इसके अलावा किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचें। एक साधारण और पेशेवर बैकग्राउंड सबसे अच्छा विकल्प होता है। इससे न केवल आपकी पेशेवर छवि बेहतर बनेगी, बल्कि सामने वाले को भी आपके माहौल का सही अंदाज़ा मिलेगा।

समय पर उपस्थित रहें

वर्चुअल मीटिंग्स में समय पर आना बहुत जरूरी है। समय पर आने से आपकी पेशेवर छवि बेहतर बनी रहती है और आप अपने साथियों का सम्मान करते हैं। अगर किसी कारणवश आप लेट हो रहे हैं तो पहले से ही संदेश कर दें कि आप थोड़ी देर से आएंगे।

लेदर के कपड़े पहनते समय न करें ये 5 गलतियां, नहीं दिखेंगे अच्छे

लेदर के कपड़े पहनना एक स्टाइलिश और क्लासी विकल्प हो सकता है, लेकिन इन्हें सही तरीके से पहनना और देखभाल करना जरूरी है। लेदर के कपड़े न केवल आपको आकर्षक दिखाते हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आपको आत्मविश्वास भी मिलता है।

सही फिटिंग का ध्यान रखें : लेदर के कपड़ों की फिटिंग बहुत जरूरी होती है। अगर आपका लेदर जैकेट या पैंट ढीली होगी तो यह आपके पूरे लुक को खराब कर सकती है। हमेशा सही माप लेकर ही लेदर के कपड़े खरीदें या सिलवाएं। सही फिटिंग वाले लेदर के कपड़े न केवल आपको बेहतर दिखाते हैं बल्कि आरामदायक भी होते हैं। ध्यान रखें कि आपके लेदर के कपड़े आपके शरीर की आकृति

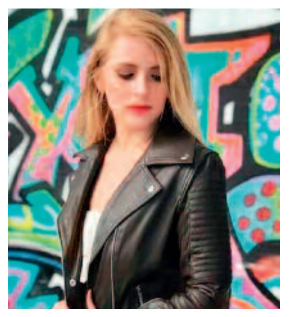

के अनुकूल हों ताकि आप उनमें आत्मविश्वास महसूस कर सकें।

सफाई पर दें ध्यान : लेदर के कपड़ों की सफाई पर खास ध्यान देना चाहिए। इन्हें धोने से पहले लेबल पर दिए निर्देश पढ़ें और अगर संभव हो तो ड्राई क्लीन करवाएं। गीले तौलिये से साफ करने की कोशिश न करें क्योंकि इससे रंग फीका पड़ सकता है या कपड़ा खराब हो सकता है। लेदर के कपड़ों को धूप में सुखाने से बचें क्योंकि इससे वे कठोर हो सकते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हवादार जगह पर सुखाएं।

सही एक्सेसरीज का चयन करें : लेदर के कपड़ों के साथ सही एक्सेसरीज का चयन करना भी जरूरी है। अगर आप लेदर जैकेट पहन रहे हैं तो उसके साथ लेदर के जूते या बेल्ट पहनना अच्छा रहेगा। हालांकि, ध्यान रखें कि सभी एक्सेसरीज एक ही रंग की न हों क्योंकि इससे आपका लुक ज्यादा बनावटी लग सकता है। इसके बजाय अलग-अलग रंगों और टेक्सचर का मेल करके एक नया स्टाइल बनाएं। उदाहरण के लिए, काले लेदर जैकेट के साथ भूरे रंग की बेल्ट अच्छी लगेगी।

कार्नर न्यूज

हर मौके पर आत्मविश्वास से भरी नजर आएंगी

साधारण कपड़ों को महंगा दिखाने के लिए अपनाएं शानदार फैशन टिप्स

अक्सर लोग यह मानते हैं कि महंगे कपड़े ही स्टाइलिश दिखाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। कुछ छोटे-छोटे फैशन टिप्स और सही कपड़ों का चयन करके आप अपने लुक को बेहद खास बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिनसे आप साधारण कपड़ों को भी महंगा दिखा सकती हैं और हर मौके पर आत्मविश्वास से भरी नजर आएंगी। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने फैशन गेम को एक नया मोड़ दे सकती हैं।

सही फिटिंग का चुनाव करें

कपड़ों की फिटिंग सबसे जरूरी होती है। अगर आपका कोई भी कपड़ा सही तरीके से फिट नहीं है तो वह आप पर अच्छा नहीं लगेगा, चाहे वह कितना भी महंगा क्यों न हो। इसलिए, जब भी आप कोई नया कपड़ा खरीदें तो उसकी फिटिंग पर खास ध्यान दें। अगर जरूरत पड़े तो उसे दर्जी से ठीक करवाएं, ताकि वह आपके शरीर के अनुसार सही बैठे और आपका लुक बेहतरीन लगे।

रंगों का मेल करें

सही रंगों का मेल आपके लुक को पूरी तरह बदल सकता है। जैसे काले और सफेद रंग का मेल हमेशा सुंदर लगता है, वहीं गहरे नीले और लाल का संयोजन भी आकर्षक दिखता है। इसके अलावा हल्का गुलाबी या नीला जैसे हल्के रंग भी बहुत सुंदर लगते हैं। अपने कपड़ों में विपरीत रंगों का मेल चुनें, ताकि आपका लुक ज्यादा बनावटी न लगे और आप स्टाइलिश दिखें। मोनोक्रोम रंगों का संयोजन भी महंगा दिखाई देता है।

सादे और आकर्षक गहने पहनें

गहने आपके लुक को खास बना सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आपको भारी-भरकम गहने पहनने चाहिए। सादे लेकिन आकर्षक गहने आपके लुक को निखार सकते हैं, जैसे पतली चेन, छोटे झुमके या ब्रेसलेट। इसके अलावा आप चाहें तो हल्की अंगूठियों का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इन सरल गहनों से आपका लुक न केवल सुंदर दिखेगा, बल्कि यह आपको एक अलग ही पहचान भी देगा। इसलिए, गहनों का चयन सोच-समझकर करें।

हेयरस्टाइल पर ध्यान दें

हेयरस्टाइल भी आपके पूरे लुक को प्रभावित करती है। अगर आपकी हेयरस्टाइल सही हो तो साधारण कपड़े भी महंगे जैसे लगते हैं।

अपने बालों को साफ-सुथरा रखें और कभी-कभी हेयरस्टाइल बदलती रहें, ताकि आपका लुक नया बना रहे। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपने साधारण कपड़ों को भी महंगा दिखा सकती हैं और हर मौके पर आत्मविश्वास से भरी नजर आएंगी।

याद रखें कि असली खूबसूरती आत्मविश्वास में छिपी होती है।